छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 61 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 24 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

मुख्य पाइप लाइन से पानी का रिसाव रोकने रबर और चप्पल का उपयोग

कनेक्टिंग एरिया तक खोदाई में हुई पुष्टि, स्वास्थ्य व जल प्रदाय विभाग अलर्ट मोड पर

घुटरापारा से भी पीलिया के केस सामने आए, मोमिनपुरा में शिविर लगाकर स्वास्थ्य जांच

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में पीलिया का प्रकोप अब एक वार्ड तक सीमित नहीं रह गया है। सर्वाधिक प्रभावित मोमिनपुरा में स्वास्थ्य विभाग ने विशेष शिविर लगाकर 100 से अधिक संदिग्ध मरीजों के रक्त के नमूने एकत्र किए हैं। नवागढ़ और मोमिनपुरा के बाद सोमवार को घुटरापारा में भी पीलिया के 06 नए मरीज मिलने से संक्रमण के फैलाव की आशंका गहरा गई है। नगर निगम का जल प्रदाय शाखा क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों की मरम्मत में जुटा है, लेकिन सफाई व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रभावित इलाकों में नियमित सफाई और क्लोरीनेशन की स्थिति स्पष्ट नहीं है। अलग-अलग बस्तियों से प्रतिदिन मरीजों का सामने आना संकेत दे रहा है कि समस्या व्यापक हो सकती है।

इधर मोमिनपुरा में कैम्प लगाकर प्रभावित परिवारों सहित अन्य का जांच करने के साथ ही आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। नगर निगम के जल प्रदाय शाखा के अधिकारी पेयजल सप्लाई लाइन से सीपेज की संभावनाओं को तलाश रहे हैं। घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने के बाद पीलिया से पीड़ितों की संख्या बढ़कर 50 पार कर गई गई है, इनमें से 48 लोगों ने शासकीय और निजी अस्पतालों में उपचार कराया, और वे स्वस्थ्य हो गए हैं। एक्टिव केस की संख्या में दो बताई जा रही है। सर्वाधिक प्रभावित अयान मार्ग में घर-घर निगम की ओर से सप्लाई किए जाने वाले पेयजल की पाइप लाइन की स्थिति का जायजा लेने के लिए कनेक्टिंग एरिया तक खोदाई कराई गई, जिससे मुख्य पानी सप्लाई पाइप लाइन से जुड़े कनेक्शन की स्थिति स्पष्ट हो सके। इस दौरान मुख्य पाइप लाइन में पानी का रिसाव रोकने के लिए रबर और चप्पल का प्रयोग करने की पुष्टि हुई, जिसका दावा आसपास के रहवासियों ने किया था, और सीपेज को रोकने के लिए नया चप्पल खरीदकर देने की बात कही थी। शहीद अब्दुल हमीद चौक में भी पेयजल सप्लाई के लिए बिछाए गए मुख्य पाइप लाइन की स्थिति का जायजा निगम के जल प्रदाय शाखा के प्रभारी अधिकारी प्रशांत खुल्लर अपने सहयोगियों के साथ लेते नजर आए। वार्ड पार्षद हसन का कहना है कि पानी दूषित कैसे हुआ, और बैक्टीरिया युक्त पानी घरों में कैसे सप्लाई हुआ, इसे सूक्ष्मता से परखने की जरूरत है, क्योंकि यह जन स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है।

बता दें कि दिसम्बर 2025 से ही सर्वाधिक बच्चे पीलिया से पीड़ित सामने आ रहे थे। 14 फरवरी को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ की इंचार्ज ने प्रभावित क्षेत्र से लिए गए पेयजल सैंपलों की जांच मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में कराई। इसके बाद कई नमूनों में एमपीएन की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाई गई। ई-कोलाई की पेयजल में मौजूदगी जल-जनित गंभीर बीमारियों का कारण माना गया है। इधर पीलिया के केस मोमिनपुरा के अयान मार्ग से सर्वाधिक सामने आने के बाद सोमवार को वार्ड में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में काफी संख्या में महिला-पुरूष और बच्चे स्वास्थ्य जांच कराने के लिए पहुंचे। यूपीएचसी की इंचार्ज डॉ. जया अग्रवाल, सुपरवाइजर अनिल अग्रवाल के अलावा आरएचओ, फार्मासिस्ट, एएनएम, एमटी, मितानिनों की भी मौके पर उपस्थिति रही। वार्ड के पार्षद हसन सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी सक्रिय रहे।

पानी के समुचित शुद्धिकरण प्रक्रिया की जांच जरूरी-शफी अहमद

नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद सोमवार को निगम आयुक्त, पार्षदों, स्वास्थ्य विभाग और जल शाखा के कर्मियों के साथ प्रभावित क्षेत्र में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर और पाइप लाइन के सुधार कार्य की निगरानी में डटे रहे। उन्होंने कहा यदि यह केवल एक पाइप लाइन की खराबी का मामला होता, तो संक्रमण एक सीमित क्षेत्र तक रहता। विभिन्न बस्तियों से मरीज का मिलना बताता है कि कहीं न कहीं व्यापक स्तर पर लापरवाही हुई है। उन्होंने आशंका जताई है कि या तो कई स्थानों पर पाइप लाइन मरम्मत कार्य अमानक और त्रुटिपूर्ण रहा है, या फिर जल शुद्धिकरण संयंत्र में निर्धारित मानकों के अनुरूप एलम, ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरीन का उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि पानी का समुचित शुद्धिकरण नहीं हो रहा है, तो शहरवासियों को दूषित पेयजल मिलना स्वाभाविक है, जो इस प्रकोप की जड़ हो सकता है। बीमार लोगों की संख्या में और इजाफा हो, पूरा शहर पीलिया का प्रकोप झेले, इसके पहले कार्रवाई की जरूरत है। जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों को वास्तविक स्थिति से रूबरू होने के लिए मौके पर आना चाहिए। उन्होंने कहा इससे बुरी स्थिति क्या हो सकती है कि लीकेज को रोकने के लिए रबर और चप्पल का उपयोग किया जा रहा हो। निगम व प्रशासन से उन्होंने मांग की है, कि कतकालो फिल्टर प्लांट से सप्लाई होने वाले पानी को साफ करने के लिए क्लोरीन डाला जा रहा है या नहीं, किस मात्रा में क्लोरीन डाला जा रहा है, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

जहां पीलिया से सर्वाधिक पीड़ित मिले, वहां नालियों से एक तगाड़ी मलबा नहीं निकला

शफी अहमद ने निगम की सफाई व्यवस्था को आड़े लेते हुए कहा कि नालियां बजबजा रही हैं, दुर्गंध से लोग बेहाल हैं। स्वच्छता विभाग जिस मार्ग में सर्वाधिक पीलिया के केस निकलकर सामने आए हैं, वहां से एक तगाड़ी मलबा नहीं निकाला है। उन्होंने कहा शहीद अब्दुल हमीद चौक के पास पानी सप्लाई पाइप से लीकेज की समस्या नई नहीं है। वार्ड के पार्षद हसन ने इस ओर जिम्मेदारों का ध्यान दिलाया था। ट्रिपल इंजिन की सरकार होने के बाद भी छोटी-छोटी कमियों को दूर करने की पहल नहीं की गई। महापौर सहित अन्य जिम्मेदार प्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के संज्ञान में मामला आ चुका है, लेकिन प्रभावित इलाके का जायजा लेने की जरूरत महसूस नहीं की गई। निगम के कमिश्नर और जल प्रदाय शाखा के अधिकारी, स्वास्थ्य अमला एक्टिव हैं। घुटरापारा में भी पीलिया से पीड़ित सामने आए हैं, ऐसे में नवागढ़, श्रीगढ़ इलाके को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

पानी के कई नमूने जांच के लिए रायपुर भेजे गए-कमिश्नर

नगर पालिक निगम के आयुक्त डीएन कश्यप ने मीडिया से चर्चा में बताया कि दूषित जल आपूर्ति की शिकायत के बाद तत्काल टीम गठित कर जांच शुरू की गई है। प्रभावित क्षेत्रों से पानी के कई नमूने लेकर जांच के लिए रायपुर भेजे गए हैं। रिपोर्ट प्राप्त होते ही आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। इधर नागरिकों में चिंता बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से उबला हुआ पानी पीने, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने और लक्षण दिखने पर तत्काल जांच कराने की अपील की है। सवाल यह है कि जांच रिपोर्ट में क्या खुलासा होगा और प्रशासन संक्रमण की शृंखला तोड़ने के लिए कितनी तेजी से ठोस कदम उठाएगा।

वन विभाग ने 16 नग साल एवं 27 नग सागौन चिरान जब्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वनमण्डलाधिकारी सरगुजा वनमण्डल अभिषेक जोगावत के निर्देशानुसार जिले में अवैध कटाई, अवैध परिवहन के प्रभावी नियंत्रण हेतु वन कर्मचारियों द्वारा रात्रि गश्ती, वनोपज नाका जांच लगातार जारी है। इसी कड़ी में वन कर्मचारियों ने वन परिक्षेत्र लुण्ड्रा के परिक्षेत्र सहायक वृत्त चेन्द्रा में सागौन की अवैध कटाई कर परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर रविवार को नाकाबंदी करके दरिमा चौक में वाहनों की सघन जांच की। जांच के दौरान चेन्द्रा की ओर से आ रही पिकअप वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, वाहन चालक द्वारा वाहन नहीं रोकने पर वन परिक्षेत्र लखनपुर के वन कर्मचारियों को इसकी सूचना दी गई। लखनपुर परिक्षेत्र के कर्मचारियों ने वाहन को घेराबंदी करके ग्राम लोसगा के पास पकड़ा। वाहन चालक द्वारा लोड सागौन चिरान के परिवहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाने पर वन परिक्षेत्र लखनपुर, वन परिक्षेत्र लुण्ड्रा एवं उड़दस्ता दल के कर्मचारियों द्वारा वाहन की जप्ती कर वन अपराध पंजीबद्ध करते हुए अंबिकापुर काष्ठागार परिसर में रखा गया। वाहन में सागौन चिरान 27 नग लोड पाया गया, मय वाहन अनुमानित कीमत राशि तीन लाख रुपये है। वाहन मय काष्ठ को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (1) ड., 26 (1) छ. एवं वन उपज व्यापार अधिनियम 1969 की धारा 5 (1) अन्तर्गत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20575/11, 23 फरवरी को पंजीबद्ध कर राजसात की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में वनक्षेत्रपाल रामनिवास दहायत, उप वनक्षेत्रपाल रामेश्वर लकड़ा तथा वनपाल वनरक्षक संजय तिर्की, दिनेश तिवारी, राजेश कुमार खेस एवं शोभनाथ

ऊपर था धान भूसी का बोरा, नीचे मिला 16 नग साल चिरान

वन परिक्षेत्र उदयपुर के कर्मचारियों द्वारा रात्रि गश्त के दौरान ग्राम घाटबर्रा के सुसकम रोड में गिद्दमुड़ी की तरफ से आ रही वाहन अशोक लेलैण्ड क्रमांक सीजी 15 डीवाई 6238 की जांच के दौरान धान भूसी बोरा के नीचे 16 नग साल चिरान 0.476 घन मीटर वनोपज लोड पाया गया। वाहन में लोड साल चिरान के परिवहन के संबंध में वनोपज के परिवहन संबंधी कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाया गया। वन कर्मचारियों द्वारा वनोपज के अवैध परिवहन होने के कारण भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 (1) क, धारा 52 (1), धारा 41 एवं छ.ग. वनोपज व्यापार विनियमन अधिनियम 1969 की धारा 5 (1) ग के तहत वन अपराध पंजीबद्ध किया गया। कार्रवाई में वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर कमलेश कुमार राय, वनपाल परिक्षेत्र सहायक बासेन रामविलास सिंह, वनरक्षक परिसर चकेरी व घाटबर्रा बृजभान सिंह, वनरक्षक बासेन भईयालाल तिर्की, वनरक्षक परोगिया भरत सिंह एवं वनरक्षक पेण्डरखी अजय कुमार पैंकरा शामिल रहे।

देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ स्कूटी सवार अपचारी बालक सहित 3 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में विधि से संघर्षरत बालक सहित 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा और एक जिन्दा कारतूस बरामद करने में पुलिस सफल हुई है। घटना मे प्रयुक्त 01 नग स्कूटी किया गया जप्त।

जानकारी के मुताबिक थाना कोतवाली पुलिस टीम को 22 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि केनापारा बांध, मानस मेन्स पालर के पास कुछ लोग देशी कट्टा व कारतूस बेचने के फिराक में हैं। सूचना मिलने पर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने थाना कोतवाली पुलिस टीम को त्वरित कार्रवाई करके आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा संदेहियों की घेराबंदी की और एक्टिवा स्कूटी में सवार मिले विधि से संघर्षरत बालक सहित आरोपियों पियुष दुबे पिता मनीष दुबे 18 वर्ष निवासी बौरीपारा शराब भट्टी रोड , आकाश दास पिता स्व. सहेन्दर दास 19 वर्ष निवासी केनाबांध बंगाली चौक के पास से पूछताछ करके आरोपी पीयुष के कब्जे से 01 नग देशी कट्टा, आरोपी आकाश दास के कब्जे से 01 नग जिन्दा कारतूस एवं विधि से संघर्षरत बालक के कब्जे से एक्टिवा स्कूटी वाहन कमांक जेएच 01 ईएन 5073 जप्त किया। देशी कट्टा व कारतूस के संबंध में किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर तीनों के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट एवं 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। बालिग आरोपियों को प्रकरण में गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया एवं विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है। कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, प्रधान आरक्षक सुरजीत कोरी, छत्रपाल सिंह, सियाराम मरावी, सदरक लकड़ा, आरक्षक देवेंद्र पाठक, मंटू गुप्ता, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

एनएच 343 बाइपास निर्माण कार्य का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

भू-अर्जन संबंधित प्रकरण का तत्काल निराकरण करने के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने एनएच-343 अंतर्गत संजयनगर से रजपुरी खुर्द तक निर्माणाधीन अंबिकापुर बाइपास सड़क का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सड़क निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में ध्यान में रखा जाए। उन्होंने बाईपास निर्माण कार्य में भू-अर्जन संबंधित प्रकरण का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि एनएच-343 बाइपास की कुल लंबाई 13.700 किलोमीटर है। इस मार्ग पर 19 पाइप पुलिया और 7 बॉक्स पुलिया का निर्माण प्रस्तावित है। बाइपास के निर्माण से शहर के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों का दबाव कम होगा, जिससे शहर में यातायात सुगम होने के साथ ही दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। इस दौरान कार्यपालन अभियंता आर.डी. ताम्ब्रे, सहायक अभियंता तथा संबंधित निर्माण एजेंसी के ठेकेदार उपस्थित थे।

भारतीय थल सेना में भर्ती हेतु 01 अप्रैल तक कर सकते हैं आवेदन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उपसंचालक रोजगार ने बताया कि भारतीय थल सेना (अग्निवीर) भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी 01 अप्रैल 2026 तक अधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष), जनरल तकनीकी, लिपिक, स्टोरकीपर, ट्रेडमैन ड्यूटी अग्निवीर, टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर एवं अग्निवीर ट्रेड के पदों पर भर्ती की कार्रवाई की जाएगी। भर्ती रैली में सम्मिलित होने के लिए आवेदकों की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता पदवार 8वीं, 10वीं उत्तीर्ण तथा अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) सहित स्थायी कैडर नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट (वेट) एवं सिपाही फार्मा के पदों पर भर्ती की जाएगी। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 01 जून से 10 जून के मध्य आयोजित किए जाने की संभावना है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित सेना भर्ती कार्यालय नया रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

अंगूठा लगवाकर चावल नहीं दिया राशन दुकान संचालक, कलेक्टर से शिकायत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कटिन्दा के ग्रामीणों ने गांव में संचालित उचित मूल्य दुकान के संचालक पर ग्रामीणों को पिछले तीन माह से ग्रामीणों से आधार मशीन में अंगूठा लगवाकर राशन प्रदान नहीं करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सरगुजा कलेक्टर से की है।

कटिन्दा से आए ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में गणेश स्व सहायता समूह द्वारा राशन दुकान का संचालन किया जाता है। आरोप है कि दुकान का संचालन करने वाले स्व सहायता समूह के कार्यकर्ताओं द्वारा मशीन में अंगूठा लगवाने के बाद उन्हें चावल प्रदाय नहीं किया गया। पिछले तीन माह से इसी प्रकार राशन दुकान संचालक द्वारा अंगूठा लगवाकर चावल प्रदाय नहीं किया जा रहा है, जिससे उनके समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न होने जैसी स्थिति बन गई है। राशन वितरण नहीं करने के संबंध में सवाल-जवाब पर संचालक द्वारा गोदाम में चावल खत्म होने की बात कही जा रही है। इनके द्वारा समूह को तत्काल राशन वितरण कार्य से पृथक करते हुए ग्रामीणों को राशन उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया जा रहा वजन त्यौहार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में बच्चों के समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में वजन त्यौहार का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस विशेष अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 6वर्ष तक के बच्चों का वजन कर उनके पोषण स्तर का आकलन किया जा रहा है। वजन त्योहार के लिए जिले के सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं घर-घर संपर्क कर पालकों से भेंट कर रही है और आंगनबाड़ी केंद्र तक ला रही हैं। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का वजन कर उन्हें सामान्य, मध्यम कुपोषित एवं गंभीर कुपोषित श्रेणियों में चिन्हांकित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद बच्चों को समय पर अतिरिक्त पोषण, चिकित्सकीय परामर्श एवं विशेष देखभाल उपलब्ध कराई जा सके। वजन त्यौहार के दौरान माताओं को सुपोषण, संतुलित आहार, स्तनपान, टीकाकरण एवं साफ-सफाई के महत्वके बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। जिन बच्चों में कुपोषण की आशंका पाई जा रही है, उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र, स्वास्थ्य जांच शिविर एवं पूरक पोषण आहार से जोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने पालकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र अवश्य लाएं और जनहितकारी अभियान का लाभ उठाएं।

राजस्व प्रकरणों का पारदर्शिता के साथ समय-सीमा में निराकरण करें : कलेक्टर

★ समय-सीमा की बैठक संपन्न ★ पीवीटीजी परिवारों को प्राथमिकता से लाभान्वित के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने राजस्व प्रकरण, प्रधानमंत्री आवास, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम, स्वास्थ्य, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति लाने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अनुविभाग एवं तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा के भीतर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने लोक सेवा केंद्र में लंबित प्रकरणों, अविवादित नामांतरण, विवादित नामांतरण, अविवादित खाता विभाजन, विवादित खाता विभाजन, त्रुटि सुधार, सीमांकन, डायवर्सन, आधार प्रविष्टि, अभिलेख शुद्धता तथा भू-अर्जन से संबंधित लंबित प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शिता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम जनमन आवास के प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित पुराने आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों को प्राथमिकता से लाभान्वित रूप से पीवीटीजी परिवारों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीवीटीजी परिवारों को योजनाओं से लाभान्वित करें।

करने को कहा, ताकि अंतिम छोर तक शासन के मंशानुरूप लाभ पहुँचाया जा सके।

कलेक्टर श्री कटारा ने संबंधित अधिकारी को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र योजना के लाभ से वंचित न हो, इसके लिए मैदानी स्तर पर विशेष अभियान चलाकर शेष पंजीयन कार्य पूर्ण करें। उन्होंने विशेष

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने आकांक्षी विकासखंड समीक्षा के दौरान संचालित विभिन्न सूचकांकों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी सूचकांकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करें उन्होंने अभियान की निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रगति लाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए शासन द्वारा संचालित योजना अंतर्गत मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केन्द्र के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के भर्ती एवं पोषण की स्थिति तथा रिकवरी रेट के संबंध में जानकारी लेते हुए प्रत्येक बच्चे को समय पर संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही डिस्चार्ज के बाद भी बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी रखने और नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर श्री कटारा ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने एवं निर्धारित समय-सीमा में लंबित कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी ग्रीष्मकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल की उपलब्धता के लिए समुचित कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल स्त्रोतों की नियमित मॉनिटरिंग, हैंडपंपों एवं पाइप लाइन की समय पर मरम्मत तथा टैंकर आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी क्षेत्र में अनावश्यक परेशानी की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने मैदानी स्तर पर सतत निगरानी रखने, संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों की पूर्व पहचान कर निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बकाया बिल पर सिस्टम से ऑटोमैटिक कट रही बिजली

स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी पर भी लग रहा अंकुश, विभाग को मिल रहा अलर्ट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विद्युत वितरण केंद्र बिश्रामपुर अंतर्गत बिश्रामपुर टाउन, सिलफिली और लटोरी क्षेत्र में कुल 33360 उपभोक्ता हैं। इन उपभोक्ताओं पर करीब साढ़े 34 करोड़ रुपए की बकाया राशि लंबित है, जिसकी वसूली में विभाग को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। हालांकि स्मार्ट मीटर की स्थापना से विभाग को राहत मिलनी शुरू हो गई है। अब तक 14312 उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। सहायक अभियंता प्रतीक बड़ा ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने से स्पॉट बिलिंग आसान हुई है और बिल वसूली में भी सुधार आया है। बकाया बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को सिस्टम द्वारा तीन अलग-अलग दिनों में मैसेज भेजकर चेतावनी दी जा रही है। बावजूद इसके भुगतान नहीं होने की स्थिति में सिस्टम से ही विद्युत आपूर्ति स्वत: बंद कर दी जाती है।

स्मार्ट मीटर बिजली चोरी और मीटर से छेड़छाड़ के मामलों में भी कारगर साबित हो रहा है। यदि कोई उपभोक्ता मीटर से टेंपरिंग करता है या अवैध रूप से बिजली उपयोग करता है, तो इसकी सूचना स्वत: विभाग को मिल जाती है। इससे जांच और कार्रवाई पहले की तुलना में अधिक आसान हो गई है। अधिकारी ऑनलाइन रीडिंग देखकर बिलिंग और अन्य शिकायतों का भी त्वरित समाधान कर पा रहे हैं। ज्ञात हो कि स्मार्ट मीटर की स्थापना से विभाग की मैनपावर की बचत हुई है और बकाया वसूली की प्रक्रिया सरल हुई है। पूर्व में वित्तीय वर्ष के अंत में अधिकारी-कर्मचारी घर-घर जाकर वसूली करते थे, जिससे कई बार विवाद की स्थिति भी बनती थी। अब डिस्कनेक्शन और वसूली की प्रक्रिया स्वचालित होने से पारदर्शिता और प्रभावशीलता दोनों बढ़ी हैं। शासन स्तर पर प्रत्येक घर में स्मार्ट मीटर लगाने को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि बिश्रामपुर उपसंभाग में अभी आधे से अधिक उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाया जाना शेष है। विभाग इसे चरणबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत पूरा करने के प्रयास में जुटा है।

आमगांव खदान परियोजना हेतु चार भू-स्वामियों को मिला नियोजन पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की आमगांव खुली खदान परियोजना में कोयला उत्खनन हेतु अधिग्रहित पटना गांव के भू-स्वामियों को कंपनी प्रबंधन द्वारा नियोजन प्रक्रिया के तहत नौकरी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सभा कक्ष में चार भू-स्वामियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। पटना ग्राम की सरपंच विमला सिंह मरावी की उपस्थिति में क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह, महाप्रबंधक संचालन जीके रात की उपस्थिति में भू स्वामी रामनारायण सिंह पिता रूपन सिंह, ईश्वर प्रसाद सिंह पिता रूपन राम, जागेश्वर प्रसाद पिता भोला प्रसाद एवं संदीप कुमार

पिता नयन साय को नियोजन पत्र प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त पांच अन्य भू-स्वामियों क्रमशः किस्मतिया सिंह पिता धन साय, शिवनाथ सिंह पिता रामप्रसाद, इतवार साय पिता बीरबल राम, संदीप कुमार साहू पिता राधेश्याम एवं संतोष साहू पिता राधेश्याम को नियोजन पूर्व चिकित्सीय परीक्षण के लिए बुलाया गया है। महाप्रबंधक संचालन जीके राय ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले ग्रामीणों को कंपनी में निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। बताया जा रहा है कि आमगांव खदान के विस्तार अंतर्गत पटना गांव की भूमि अधिग्रहण के एवज में कुल 464 भू-स्वामियों को रोजगार दिया जाना प्रस्तावित है, जिनमें से अब तक 165 रोजगार की स्वीकृति कंपनी मुख्यालय से प्राप्त हो चुकी है। नियोजन पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान सर्वे अधिकारी वीसी चतुर्वेदी, भू-राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर-एसपी ने लॉ एंड ऑर्डर के संबंध में ली राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक

★ समन्वय और सजगता से कार्य करने के दिए निर्देश

★ लोक शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर होगी कड़ी निगरानी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक ली। बैठक में आगामी त्यौहारों, सीमावर्ती चेकपोस्टों की निगरानी, अवैध गतिविधियों की रोकथाम तथा विभागीय समन्वय को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग को आपसी समन्वय और सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियां समयपूर्व पूर्ण करने, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने तथा लोक शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले की सीमाओं पर स्थापित चेकपोस्टों में सख्त निगरानी रखने, वाहनों की नियमित जांच करने तथा खनिजों के अवैध परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सतत अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी से कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने बैठक में कहा कि जिले की कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी असामाजिक गतिविधि पर सतत निगरानी बनाएं रखे। उन्होंने सभी को समन्वय के साथ सजगता और सतर्कता से कार्य करने को कहा। उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में अन्य विषयों पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता सहित राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

★ अवैध क्लीनिक और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर वैधानिक कार्रवाई के दिए निर्देश

★ शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू बिक्री पर होगी कोटपा एक्ट के तहत कड़ी कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति (एनसीओआरडी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर प्रभावी अंकुश लगाने, नशे के दुष्प्रभाव से बचाने तथा विभिन्न

विभागों के बीच समन्वित कार्रवाई को और सशक्त बनाने के संबंध में विस्तृत रणनीति तैयार की गई। कलेक्टर श्री कटारा ने कोटपा एक्ट के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानो के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर कड़ी कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सघन निरीक्षण अभियान तथा सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को कहा। उन्होंने होटलों एवं ढाबों का नियमित निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने प्रतिबंधित एवं एक्सपायर दवाओं की बिक्री,संचालित निजी क्लीनिकों के लाइसेंस, निर्धारित मानकों एवं औषधि भंडारण के जांच के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने अवैध क्लीनिकों और नियम विरुद्ध दवा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशा उन्मूलन के लिए जन जागरूकता हेतु नशा मुक्ति अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए साथ ही नशामुक्ति केंद्र की जानकारी भी जन-जन तक पहुंचाने की बात कही ताकि जरूरतमंद लाभ ले सके। पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर ने नशे के अवैध व्यापार के विरुद्ध सघन जांच करने को कहा। उन्होंने विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए तथा सूचना तंत्र को और मजबूत करने की बात कही। साथ ही मादक पदार्थों के अवैध परिवहन, भंडारण एवं बिक्री में संलिप्तता पाये जाने पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में वनमण्डलाधिकारी आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, अभिषेक गुप्ता सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजयुमो बिश्रामपुर मंडल कार्यकारिणी घोषित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय के मार्गदर्शन में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश सिरदार व भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता की सहमति पर बिश्रामपुर भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष राजकुमार यादव द्वारा बिश्रामपुर मण्डल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। जारी मंडल कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अभिषेक गुप्ता, आदर्श यादव, तालकेश्वर राजवाड़े, राजू यादव, महामंत्री नितिन जायसवाल व डिकेश प्रजापति, मंत्री वीरेंद्र गिरी, राजकुमार सिन्हा, देवा राजवाड़े, कुनाल घोषाल, कोषाध्यक्ष इन्द्र प्रताप, कार्यालय प्रभारी श्यामदेव विश्वकर्मा, सह कार्यालय प्रभारी सुनील राजवाड़े, मीडिया प्रभारी आकाश पाण्डेय, सह मीडिया प्रभारी संजय मानिकपुरी को नियुक्त कर कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री कटारा ने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

भारत की 16 वीं जनगणना हेतु दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत की 16वीं जनगणना 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु जिला अधिकारियों के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का यहां जिला पंचायत सभाकक्ष में सोमवार को शुभारंभ किया गया। स्वतंत्रता के बाद यह देश की 8वीं जनगणना होगी, जिसे इस बार पूर्णतः डिजिटल स्वरूप में संपन्न किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया, डिजिटल मॉड्यूल, डेटा संकलन की पद्धति तथा निगरानी व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। बताया गया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। मई 2026 से शुरू हो रहे पहले चरण में गृह सूचीकरण एवं आवास गणना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार की आवास स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, संपत्ति आदि से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके लिए विशेष रूप से मोबाइल ऐप, जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी पोर्टल तथा स्व-गणना पोर्टल विकसित किए गए हैं। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के अंतर्गत देश की जनसंख्या की गिनती की जाएगी, जो फरवरी 2027 से प्रारंभ होगी। इस चरण में प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित जनसांख्यिकीय, सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक एवं अन्य आवश्यक जानकारी संकलित की जाएगी। जनगणना आंकड़ों के संग्रहण के लिए गणनाकर्ता अपने-अपने आंबटित क्षेत्रों में घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। साथ ही उत्तरदाताओं की सुविधा के लिए स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे वे स्वयं भी अपनी जानकारी ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गणनाकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति किसी भी आधार पर जनगणना से वंचित न रहे। इस प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि जनगणना से संबंधित जानकारी में गलत तथ्य प्रस्तुत करने पर विधि अनुसार दंड का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल तक जनगणना संबंधी सभी प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण रायपुर में आयोजित किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर द्वारा फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा फील्ड ट्रेनर तहसीलवार प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। जिला प्रशासन ने जनगणना को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ दायित्वों के निर्वहन के निर्देश दिए हैं।

दूरस्थ एवं आश्रित ग्रामों में पहुंचाकर किया गया खाद्यान्न वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिला प्रशासन द्वारा आमजन की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए दूरस्थ एवं आश्रित ग्रामों में सीधे पहुंचाकर खाद्यान्न वितरण की अभिनव व्यवस्था लागू की गई है। कलेक्टर अजीत वसंत के निदेर्शानुसार अब शासकीय उचित मूल्य दुकान से 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित ग्रामों में खाद्यान्न पहुंचाकर वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत उदयपुर के ग्राम पंचायत बकोई के आश्रित ग्राम खुझी तथा जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत टीरंग के आश्रित ग्राम खुटापानी में हितग्राहियों को उनके ग्राम में ही खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। पूर्व में ग्रामीणों को खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे समय एवं श्रम दोनों की हानि होती थी। नई व्यवस्था से न केवल ग्रामीणों की समस्या का समाधान हुआ है, बल्कि शासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। विशेषकर बुजुर्ग, महिलाएं एवं दिव्यांगजन को इस पहल से सीधा लाभ मिला है। कलेक्टर अजीत वसंत ने स्पष्ट किया है कि पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। दूरस्थ क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार ऐसी व्यवस्था निरंतर जारी रखी जाएगी, ताकि कोई भी पात्र परिवार शासन की खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित न रहे।

रात में थाने पहुंच एसएसपी ने किया निरीक्षण, खामियां दुरूस्त करने दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर रविवार की रात्रि जिले के थाना रमकोला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान इन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने थाना प्रभारी से कहा कि थाना के चेकिंग पॉइंट्स की कार्यप्रणाली सुव्यवस्थित, अपडेट और प्रभावी होनी चाहिए। थाने के जरायम रजिस्टर, हिस्ट्रीशीटर रजिस्टर, लंबित शिकायतों और एमएलसी रजिस्टर की बारीकी से जांच की। इसके साथ ही मालखाना, बंदीगृह, शस्त्रागार और रिकॉर्ड सेक्शन का भी निरीक्षण किया और कमियों को तुरंत सुधार करने के कड़े निर्देश दिए। एसएसपी ने थाना प्रभारी को लंबित अपराधों, शिकायतों का निराकरण करने एवं सभी तरह की पेंडेंसी का जल्द निकाल करने को कहा, क्षेत्र के निगरानी व गुंडा बदमाशों की प्रॉपर चेकिंग करने, थाने की बीट क्षेत्र में मजबूती से सूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। रात्रि में गश्त पॉइंट्स का निरीक्षण एसएसपी ने खुद मौके पर पहुंचकर किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से पूछताछ कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और उनकी गुजारिशे भी सुनी।

मानव हाथी द्वंद और अग्नि सुरक्षा को लेकर वन विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चाँदनी बिहारपुर। वन मंडल सूरजपुर के वन एवं पहाड़ी आंचल अंतर्गत हाथी प्रभावित वन परिक्षेत्र बिहारपुर द्वारा ग्राम पंचायत महुली, कछवारी एवं कोल्हुआ में मानव-हाथी द्वंद एवं अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम वन परिक्षेत्र अधिकारी मेवालाल पटेल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते टकराव से बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए जागरूक बनाना था। क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से हाथियों की आवाजाही बढ़ने के कारण फसलों की क्षति, मकानों को नुकसान और जनहानि की आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा गांव गांव पहुंचकर जनसंवाद और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रभावी माध्यम बना नुक्कड़ नाटक

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानव-हाथी द्वंद की परिस्थितियों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक में दिखाया गया कि किस प्रकार अफवाह, भीड़ और

लापरवाही स्थिति को गंभीर बना देती है, जबकि समय पर सूचना और संयम से बड़े नुकसान को रोका जा सकता है। ग्रामीणों को समझाया गया कि हाथियों के झुंड के पास जाने या उन्हें उकसाने का प्रयास न करें। रात के समय खेत या जंगल की ओर अकेले न जाएं। समूह में टॉर्च की रोशनी में चले। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना दें। रेंजर मेवालाल पटेल ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि मानव-हाथी द्वंद की घटनाओं को कम करने के लिए प्रशासन और जनता का समन्वय आवश्यक है। सतर्कता और सहयोग से ही जान-माल की हानि को रोका जा सकता है। अभियान के दौरान वनाग्नि से होने वाले नुकसान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में छोटी सी लापरवाही भी बड़े वनाग्नि का रूप ले सकती है। ग्रामीणों को निर्देशित किया गया कि महुआ या अन्य वनोपज संग्रह के दौरान आग का प्रयोग न करें। जलती हुई बीड़ी-सिगरेट जंगल क्षेत्र में न फेंकें, सूखी पत्तियों या घास में आग न लगाएं। आग लगने की स्थिति में तुरंत वन अमले को सूचित करें। वनाग्नि से वन संपदा, जैव विविधता एवं वन्यजीवों को गंभीर क्षति होती है, जिससे ग्रामीणों की आजीविका भी प्रभावित होती है।

एआई एवं क्वांटम इंजीनियरिंग पर संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण बैठक, उच्च शिक्षा में नवाचार और सामाजिक उपयोग पर जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा (अम्बिकापुर) के सिटी ऑफिस दरीपारा कैंपस स्थित रविन्द्रनाथ टैगोर भवन में आज कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले की अध्यक्षता में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं क्वांटम इंजीनियरिंग के उच्च शिक्षा में व्यावहारिक एवं सामाजिक उपयोग विषयक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले सहित विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्राध्यापक हरिशंकर प्रसाद तोडें ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से एआई की अवधारणा तथा उसके विभिन्न उपयोगों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. लाकपाले ने छात्रों को एआई के सही एवं जिम्मेदार उपयोग से अवगत कराने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता उच्च शिक्षा में नवाचार, अनुसंधान और गुणवत्ता सुधार का प्रभावी माध्यम बन सकती है। साथ ही उन्होंने ऑरेंज इकोनॉमीह्व की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा पीढ़ी रचनात्मक कौशल और डिजिटल तकनीक के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर विकसित कर सकती है। कुलपति ने नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट तथा मानव ऐह्व पहल की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से ई-गवर्नेंस सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने भारत में विकसित एआई प्लेटफॉर्म विभाषिणी, सर्वम, दीक्षा, बोधान, गुरूसेतु तथा एआई भारत के उपयोगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन स्वदेशी तकनीकों से डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ एआई के दुरुपयोग को भी रोका जा सकता है। बैठक के अंत में कुलपति ने सभी विभागों के शिक्षकों को अपने-अपने विषयों में एआई के समावेश के साथ पाठ्यक्रम विकसित करने एवं विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मवेशिओं से लोड पिकअप को पकड़ा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। पुलिस ने बीती रात मुखबिर की सूचना पर बहनाटांगर ग्राम से मवेशिओं से लोड पिकअप को पकड़ा। 10 नग मावेशियों को बेरहमी पूर्वक ठूस कर वहान मे भरा गया था। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही तस्कर फरार हो गए। पुलिस ने पिकअप को थाने लाकर आगे की कार्यवाही में जुटी हुई हैं। अब देखना है की पुलिस केवल गाड़ी ड्राईवर के ऊपर ही केस बनाती है या गाड़ी मालिक के ऊपर केस बनाती है। पुलिस की कार्यवाही अब जांच का विषय है? जशपुर जिले में मवेशी तस्कर, मवेशी तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जिले में प्रतिदिन कोई ना कोई मवेशी तस्करी का मामला सामने आ रहा है। पूर्व पुलिस कप्तान शशि मोहन सिंह द्वारा मवेशी तस्करी पर काफी हद तक विराम लगाने में सफलता प्राप्त की थी लेकिन उसके स्थानांतरण के बाद मवेशी तस्कर फिर से सक्रिय हो चुके हैं एवं मवेशी तस्करी को बहुत जोरों से अंजाम देने में लगे हुए हैं। अब देखना यह है कि मवेशी तस्कर पर नए पुलिस कप्तान द्वारा क्या रुख अपनाया जाता है?

मंत्री लक्ष्मी के प्रयास से 29 किमी सड़क हेतु 40.93 करोड़ स्वीकृत, सड़क उन्नयन से विकास को मिलेगी रफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी नीति के अनुरूप क्षेत्र में आधारभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से जिला सूरजपुर अंतर्गत कल्याणपुर- लटोरी- दतिमा- सलका मुख्य जिला मार्ग के विभिन्न खंडों में सड़क सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 29 किलोमीटर लंबाई में प्रस्तावित इस कार्य के लिए 40.93 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह मार्ग क्षेत्र के अनेक ग्रामों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिसके उन्नयन से आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं तीव्र होगा। इससे ग्रामीण अंचलों का जिला मुख्यालय एवं अन्य प्रमुख स्थलों से बेहतर संपर्क स्थापित होगा। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सड़क केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की जीवनरेखा है। सुदृढ़ सड़क संपर्क से किसानों को अपनी उपज समय पर बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक सुगमता से पहुंच सुनिश्चित होगी तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुंच संभव हो सकेगी। साथ ही व्यापार, लघु उद्योग एवं स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं समावेशी विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। अधोसंरचना विकास के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से चरणबद्ध रूप से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

पड़ोसी राज्य की अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। आबकारी विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए पड़ोसी राज्य की अवैध शराब के साथ एक आरोपी लाल साय उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम पंडरीपानी, भद्रापारा को हिरासत में लेकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई जिला जशपुर के आबकारी वृत्त पत्थलगांव अंतर्गत अन्य प्रान्त की मदिरा के विक्रय के विरुद्ध यह छापामार की गई। आबकारी विभाग ने आरोपी के विरुद्ध धारा 34(1) क, 34(2), 36 के तहत कार्यवाही की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भ्रमणशील रहकर बूथों का किये निरीक्षण

सोनभद्र। निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस0आई0आर0) अभियान के अंतर्गत रविवार को जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्र के मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य, बीएलए के समक्ष ड्राफ्ट सूची पढकर सुनाई गई और मौके पर उपस्थित मतदाताओं को आगाह किया कि सुनाई जा रही सूची को ध्यान से सुनें, जिससे बूथ के सही मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी बी0एन0 सिंह ने भ्रमण के दौरान निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत विधानसभा रावर्टसगंज के राजा महेश इण्टर कालेज रावर्टसगंज के मतदेय स्थलों बूथ सं0 21,22,23,24,25,26 पर बी0एल0ओ0 द्वारा जनसामान्य व बी0एल0ए0 के समक्ष आलेख्य निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर सुनाया गया।

भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक बने राजू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। युवा नेता राजू देवांगन को भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक पद की जिम्मेदारी दी गई है। श्री देवांगन स्वच्छता प्रकोष्ठ के पूर्व जिला संयोजक, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, नपा. के एल्डरमैन का दायित्व निभा चुके है। वर्तमान में भाजपा शहर मंडल के महामंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहे है। राजू देवांगन को भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश में, प्रदेश सह संयोजक का दायित्व पार्टी के प्रति सक्रियता एवं निष्ठा और समर्पण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने नवीन जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर की इस नवीन, बड़ी जिम्मेदारी के साथ मुझ पर विश्वास जताया है उस विश्वास पर मै खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा, साथ ही पार्टी की नीति रीति और उनके जनकल्याणी कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का पूरा प्रयास करूंगा। बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक राजू ने अपने इस नियुक्ति का श्रेय जिले, मंडल एवं स्थानीय कार्यकताओं एवम्नेताओं को दी है। उनकी इस नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ता एवं उनके समर्थकों में हर्ष व्याप्त है।

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है। एआई लोगों को रोजगार देगा। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का लक्ष्य दिखाता है। हालांकि एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एआई लोगों की मदद करेगा, रहना होगा अलर्ट

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं। जैसे नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। इसलिए हमें एआई को लेकर अलर्ट भी रहना होगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद था, जिसकी गूंज पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक सुनाई दी। इसमें शामिल दुनिया के दिग्गज नेताओं से लेकर टेक्नोलॉजी पर राज करने वाली कंपनियों के सीईओ तक ने जो बातें कहीं, वह भारत की चमक बयां करती हैं। इतना ही नहीं, भारत इस समिट के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया है कि एआई का विकास सिर्फ ताकतवर देशों का खेल नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसा क्षेत्र बने जहां ग्लोबल साउथ की आवाज, जरूरतें और चुनौतियां भी केंद्र में हों। अब तक एआई पर वैश्विक बहस ज्यादातर अमेरिका, यूरोप और चीन के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन भारत जैसे देश के सामने विशाल आबादी, विकासशील अर्थव्यवस्था, डिजिटल डिवाइड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विभिन्न भाषाएं और सामाजिक संरचना को लेकर अलग-अलग चुनौतियां हैं। भारत चाहता है कि एआई का इस्तेमाल केवल कॉर्पोरेट मुनाफे या सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह गरीबी घटाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का औजार बने। एआई समिट के जरिए भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह एआई फॉर गुड का मॉडल पेश कर सकता है। वह डेमोक्रेटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस का उदाहरण बन सकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में ला सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल का ग्लोबल हब बनाने का बड़ा विजन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' पेश किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में डिज़ाइन करने और दुनिया को डिलीवर करने का आह्वान किया। इस महत्वाकांक्षा को एआई समिट में भी प्रमुखता से दिखाया गया, जिसने भारत का ग्लोबल साउथ में एक लीडर और दुनिया के मंच पर एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर पेश किया।

भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वर्तमान में भले ही अमेरिका और चीन एआई के दो विपरीत ध्रुव बने हुए हैं, लेकिन भारत में एआई लीडर बनने की तीव्र आकांक्षा और क्षमता है। भारत में भी वर्तमान में एआई पर व्यापक शोध कार्य चल रहा है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। एआई का उद्देश्य लोगों की मदद करना है, न कि उनकी जगह लेना। भविष्य में मनुष्य स्मार्ट सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सरकार की प्रतिबद्धता इंडिया एआई मिशन जैसी बड़ी पहलों से और मजबूत होती है, जिसके लिए अगले पांच सालों में 10,300 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसका मकसद कंप्यूटिंग पावर बढ़ाना और सस्ती दरों पर रिसर्च के मौके उपलब्ध कराना है। दुनिया भर में एआई के क्षेत्र में भारत की तेज़ी से हुई तरक्की साफ दिखती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे अमेरिका और चीन के बाद एआई वाइब्रेंस में तीसरे स्थान पर रखा है। यह तरक्की भले ही गति दिखाती है, लेकिन स्थापित एआई दिग्गजों से मुकाबले के लिए अभी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। अमेरिका प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, कंप्यूटिंग क्षमता और फाउंडेशन मॉडल डेवलपमेंट जैसे अहम क्षेत्रों में आगे है, जबकि चीन रिसर्च आउटपुट और पेटेंट जेनरेशन में बाज़ी मारता है। भारत का एआई इकोसिस्टम अभी मैच्योर होने के बजाय तेज़ी से बढ़ रहा है। इस कंपीटिशन के माहौल में न सिर्फ एआई की बुनियादी क्षमताओं में बड़ा निवेश जरूरी है, बल्कि स्वदेशी विकास पर भी खास ध्यान देना होगा, खासकर सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारत एक उपभोक्ता से निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है और भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है इसी कारण दुनिया भर की नामी एआई कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह डेटा पर आधारित है। इसका मतलब ये है कि किसी भी एआई टूल के पास जितना अधिक डेटा होगा वो मॉडल उतना ही शक्तिशाली होगा। हालांकि, आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम तकनीक को कितने बड़े पैमाने पर लागू कर सकते हैं। अब यही काम हम एआई के साथ करने जा रहे हैं। भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकास, समावेशन और सुशासन के उपकरण के रूप में देख रहा है। तेजी से बढ़ती एआई प्रतिस्पर्धा के बीच यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का शानदार अवसर रहा है। एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। डिजिटल विभाजन को कम किए बिना एआई क्रांति अधूरी रहेगी। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

एआई छीनेगा नहीं, लाखों नौकरियां देगा युवाओं को

उम्मीद

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

आजकल हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा है। राजधानी में एआई इंपैक्ट सम्मेलन में हाल ही में संपन्न हुआ है। इसमें करीब डेढ़ दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री शामिल हुए। इसके अलावा, सारे संसार से प्रतिनिधि भी भाग ले रहे थे। दरअसल, एआई तकनीक मशीनों को इंसानों जैसा सोचने-समझने की ताकत दे रही है। एआई आ रहा है। चैट जीपीटी, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन। बैंक में एआई चैटबॉट्स, फैक्टरियों में रोबोट्स, गवर्नमेंट में ई-गवर्नेंस। कुछ रूटीन काम ऑटोमेट होंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीक अंततः ज्यादा रोजगार पैदा करती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई से नई स्किल्स वाली नौकरियां बढ़ेंगी। एआई स्पेशलिस्ट, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि। एनएएसएससीओएम और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी, और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। कई अध्ययनों में पाया गया कि एआई से कुछ रूटीन जॉब्स बदलेंगी या कम होंगी, लेकिन नई जॉब्स (जैसे एआई कॉन्फिगरेटर, एक्सपीरियंस डिजाइनर) ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। भारत में एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, व नए सेक्टर जैसे हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में अवसर खुलेंगे। एक बात साफ है कि आज के डिजिटल युग में एआई एक क्रांतिकारी तकनीक बन चुकी है। जहां कुछ लोग एआई को नौकरियों के लिए खतरा मानते हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि भारत जैसे युवा-प्रधान देश में एआई नए और बेहतर रोजगार के द्वार खोल रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने एआई अपनाने में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में एआई प्रतिभा की भर्ती में सबसे आगे है, जहां सालाना भर्ती दर लगभग 33% है। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का मतलब है। ये अवसर मुख्य रूप से मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एथिक्स जैसे क्षेत्रों में उभर रहे हैं। बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर एआई जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने भी 2025 में करीब 4.5 लाख नई नौकरियां जोड़ीं, जिनमें एआई-संचालित भूमिकाएं प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे नेताओं ने स्पष्ट किया है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि उन्हें बदलकर नई संभावनाएं देगा। भारतएआई मिशन, स्किल इंडिया और विभिन्न एडटेक प्लेटफॉर्म्स के जरिए युवाओं को रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का अवसर मिल रहा है। एआई स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा रहा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से लाखों सहायक रोजगार सृजित हो रहे हैं। एआई का नेट प्रभाव रोजगार पर सकारात्मक है। यह उत्पादकता बढ़ाता है, नए उद्योग जन्म देता है और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करता है। भारत की 65% से अधिक युवा आबादी इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगी, बशर्ते हम कौशल विकास पर फोकस करें। कंप्यूटर की तरह, एआई भी जॉब किलर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर साबित होगा। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रही सेलेस्टियल एयरोस्पेस के साइंटिस्ट श्रेयांस जैन मानते हैं कि जो लोग एआई सीखेंगे, वे आगे बढ़ेंगे। नई स्किल्स से बेहतर सैलरी, प्रमोशन और अवसर मिलेंगे। पर भारत में प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के लाखों लोग चिंतित हैं कि कहीं, एआई उनकी नौकरी तो नहीं छीन लेगा, लेकिन यह डर पुराना है। याद कीजिए 1980-1990 के दशक को, जब कंप्यूटर भारत में आ रहे थे। तब भी यही डर था कंप्यूटर नौकरियां खा जाएगा। मजदूर यूनियनें सड़कों पर उतरीं, हड़तालें हुईं, विरोध प्रदर्शन हुए। सरकारी दफ्तरों, बैंकों, रेलवे में हर जगह कंप्यूटर का विरोध। लेकिन कंप्यूटर ने भी रोजगार पैदा किए। संदेश साफ है एआई से नौकरियां नहीं छिनेंगी, बल्कि बढ़ेंगी बशर्ते हम इसे अपनाएं, स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें। सब मिलकर इस नई क्रांति का हिस्सा बनें।

भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। इसलिए स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें।

गलगोटिया जैसी यूनिवर्सिटी पर निगरानी की जरुरत

चिंतन

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन किया गया। पूरी दुनिया से एआई के जानकार और उनसे जुड़े अविष्कारों को दिखाया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से दिखाए गए एक रोबोट पर विवाद मच गया है जो एक इंटरनेशनल मुद्दा बन गया। मामला यह है कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोट को खुद के द्वारा तैयार किया गया बताया था, लेकिन वह वो चीन का रोबोट निकला। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रही हैं। यही नहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी के ऊपर मीम्स भी बन गए हैं। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर देश ही नहीं दुनिया में भी चर्चा होने लगी है। स्थिति यह है कि एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से खुद का रोबोट बताकर चीनी प्रोडक्ट दिखाने के बाद बड़े स्तर पर किरकिरी हो गई। इसके बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को बुधवार को भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट एक्सपो से अपना स्टॉल खाली तक करा दिया। बता दें कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने 'ओरियन' रोबोट एआई समिट में दिखाया गया जो एक रोबोटिक कुत्ता है। इसकी तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद इसकी सच्चाई सबके सामने आ गई। लोगों ने रिसर्च किया और सबकुछ पता चल गया। चीन पल्स एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया कि भारतीय यूनिवर्सिटी ने चीन के रोबोट को खुद का रोबोट बताया। लेकिन सवाल यही है कि देशभर अपनी पहचान रखने वाली ने इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी ने आखिर ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई राजनितिक साजिश थी, क्योंकि इसको लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सरकार को बदनाम करने का भी काम हो सकता है। और यदि ऐसा नहीं तो गलगोटिया यूनिवर्सिटी को अपनी बड़े स्तर पर उपस्थिति दर्ज करवानी थी और अपनी यूनिवर्सिटी को सबसे सर्वश्रेष्ठ बताना था। मामला चाहे कुछ भी हो लेकिन इस घटनाक्रम से देश की साख पर बट्टा लगा गया। वहीं समिट में पहुंचे तमाम लोगों ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ है। स्थिति यह है कि अब देश के एआई भविष्य व गुणवत्ता पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो गए। इसके अलावा गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सालाना हजारों विद्यार्थी पास आउट होते हैं और हाल ही में पढ रहे बच्चों को क्या कोई भी नौकरी देगा? इस घटना के बाद कई कंपनियों का दृष्टिकोण इस यूनिवर्सिटी के लिए बदल गया।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रोबोटिक्स अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है और इसे अभी एक विकसित हो रहे इकोसिस्टम के रूप में देखा जा रहा है लेकिन कुछ कंपनियां सरकार को खुश करने व अपने व्यापार को बढ़ोतरी करने में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। बीते दो दशकों से रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे और आईआईटी मंडी में रोबोटिक्स के एक प्रोफेसर ने कहा कि भारत के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां इस क्षेत्र की रफ़्तार को सीमित कर रही हैं।उन्होंने यह भी कहा कि 'एआई की आत्मा का एक रोबोटिक शरीर खोजने' जैसा है और यह एक कठिन क्षेत्र है क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग की लगभग हर शाखा के समन्वय की आवश्यकता होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत जब वैश्विक एआई दौड़ में खुद को प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है ऐसे में यह घटना 'मेड इन इंडिया' की छवि के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को मिलकर इस पर निगरानी रखने की सख्त आवश्यकता है और इनकी देखरेख के लिए अलग से एक विभाग बनाना चाहिए जिससे की कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। सच्चाई यह है कि जो छोटे संस्थान होते हैं वहां बच्चों को अच्छे से सिखाया जाता है। केवल बड़ी-बड़ी इमारतों को दिखाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन अब गलगोटिया प्रकरण के बाद अब बड़े एक्शन ऑफ प्लान की जरुरत है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ

रोजगार के साथ चुनौतियां भी बढ़ाएगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

चुनौती

चरणजीत चरण

वरिष्ठ साहित्यकार

जैसे ही हम एआई की बात करते हैं, इसे रोजगार के प्रति एक डर के रूप में देखा जाता है और युवाओं के लिए एक चुनौती माना जाता है। आज जैसा कि हम जानते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में इतना अधिक घुल-मिल गई है कि हम इसके बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जब हम इससे मिलने वाले लाभों की बात करते हैं, तो उससे होने वाले संभावित नुकसान स्वाभाविक रूप से हमारी चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। इसे लेकर जो सबसे बड़ा डर और भ्रम किसी भी देश या समाज में हो सकता है, वह है रोजगार में कटौती होना। इसमें कोई शक नहीं है कि एआई के माध्यम से बहुत से काम आसान हुए हैं, कार्यों में लगने वाले समय को न्यूनतम किया गया है तथा कार्य की सटीकता भी बढ़ी है; लेकिन यह चिंता भी चिंतन का विषय है कि यह तकनीक रोजगार के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम की भौतिकवादी दुनिया एआई का इस्तेमाल किसी भी कार्य में सटीकता बढ़ाने और लागत कम करने में करना चाहती है। वहीं भारत की सोच इस विषय में बिल्कुल अलग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, भारत इसका इस्तेमाल खर्च में कटौती के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्ता में सुधार और मानवीय क्षमता के विस्तार के रूप में करना चाहता है। पश्चिम की दुनिया जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव क्षमताओं के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करना चाहती है, वहीं भारत इसे मानव सहयोग के रूप में उपयोग करना चाहता है। हाल ही में हुए दिल्ली एआई समिट का मकसद भी यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

भारत और पश्चिम की दुनिया में शुरू से अब तक एक बुनियादी अंतर यही रहा है कि पश्चिम ने इस क्षेत्र में जितने भी नवाचार किए हैं, उन्हें बहुत गोपनीय रखा है। साथ ही, ऐसी किसी भी तकनीक को मानव श्रम की कटौती के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके तमाम प्रयोग भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इसके विपरीत, भारत का उद्देश्य

एआई समिट का मकसद यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता व सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मानव जीवन में आने वाली जटिलताओं का निवारण करना और इसके माध्यम से नए रोजगार का सृजन करना है। उदाहरण के रूप में, भारत ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल कर स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में अभूतपूर्व कार्य किया है। मरीजों का डेटा एकत्र करने से लेकर जटिल बीमारियों के निदान तक पहुंचना और छोटे-छोटे गाँवों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, इन सभी क्षेत्रों में भारत का कार्य सराहनीय है। यदि हम इसकी बुनियाद में जाएँ, तो देखते हैं कि इस प्रणाली के रखरखाव के लिए जिस बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी, उसी से भविष्य में लाखों नए रोजगार सृजित होंगे। भारत में एआई को न सिर्फ सरकारी बल्कि अब निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है। सरकार पूरी निष्ठा से इस दिशा में कार्य कर रही है कि इसका इस्तेमाल युवाओं में कौशल विकास के लिए हो, न कि छंटनी के लिए। भारत का 'इंडिया एआई मिशन' केवल शोध के लिए नहीं है, बल्कि सरकार की कोशिश है कि देश का युवा बुनियादी रूप से इस क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और क्षमताओं का विकास करे। दिल्ली समिट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डेटा समूह है। इसी डेटा का उपयोग करने के लिए जिस मानव संसाधन की आवश्यकता है, उसी के कारण भारत दुनिया का एआई कार्यालय बन रहा है। भारत चूंकि एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए कृषि क्षेत्र के नवाचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अग्रणी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली समिट में विशेषज्ञों के माध्यम से एक विशेष बात उभरकर आई कि भारत का 'सॉवरेन मॉडल' दुनिया के उन तमाम देशों के लिए एक मिसाल है, जो अपनी जनसंख्या को केंद्र में रखकर प्रगति करना चाहते हैं। भारत ने इस समिट के माध्यम से दुनिया को बताया है कि एआई का विकास रोजगार छीनने के लिए नहीं, बल्कि क्षमता विकास के लिए होगा। भारत चाहता है कि इसका इस्तेमाल 'सहायक बुद्धिमत्ता' के रूप में हो, जो चिकित्सकों, शिक्षकों, अभियंताओं और सृजनशील लोगों जैसे शिल्पकार, संगीतकार, लेखक के सहायक के रूप में कार्य करे, न कि उनका स्थान ले। समग्र रूप से देखें तो इस संदर्भ में सरकार का मकसद है कि तकनीक का उपयोग केवल मशीनों की क्षमता बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस तकनीक से नए रोजगार कैसे सृजित हों और वह लोगों के दैनिक जीवन को कैसे सुगम बनाए।

कई तरह की समस्याएं भी पैदा कर सकता है एआई

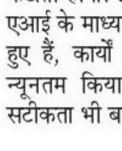

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जब 'इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026' का वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया, तब से एक स्वाभाविक प्रश्न द्वारा मन-मस्तिष्क आंदोलित हुए बिना नहीं रह पा रहे हैं, कि क्या भारत व विश्व में प्राकृतिक कृषिकर्म एवं प्रकृति के समुचित संरक्षण हेतु भी कोई अधि मंथनपरक सम्मेलन कभी होगा? क्या इस दिशा में भारतीय शासन, विदेशी शासनों तथा देशी-विदेशी कंपनियों के अथाह धन-संसाधन धारी स्वामियों को इस बारे में कोई आत्मरुचि कभी होगी अथवा नहीं? जीवन की मुख्य आवश्यकताओं से पृथक एआई अर्थात कृत्रिम मेधा का विषय सहसा इतना व्यापक व विशाल क्यों हो गया है कि यह चाहे-अनचाहे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सॉफ्टवेयर कंपनियों, पूंजीपतियों तथा कम जनसंख्या के साथ अधिक तकनीक व प्रौद्योगिकी से समृद्ध विश्व के लघु आकार वाले देश एआई तकनीक बेचकर लाभार्जन करना चाहते हैं। इनमें अमेरिका प्रमुख है। डेयरी उत्पादों पर किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण भारत-अमेरिका के मध्य अपेक्षित व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय व अमेरिकी शासन तथा दोनों देशों के सॉफ्टवेयर कारोबारियों ने नवीनतम कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी एआई के बलबूते पारस्परिक व्यापार में वृद्धि करने की नीति बनाई है। ये नीति अमेरिका में एआई के प्रसारण के बाद बृहद स्तर पर फैली आजीविका की समस्या तथा भारत में आगामी वर्षों में एआई के कारण संभवतः फैलने वाली आजीविका की समस्या की अनदेखी करके बनाई गई है।

एआई न केवल आजीविका की समस्या अपितु सामाजिक, व्यक्तिगत, सार्वजनिक व अमानवीय समस्याएं भी उत्पन्न करेगा। एक समय उदारीकरण के बाद वाहन उद्योगों को फलीभूत करने देशवासियों को द्विपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन खरीदने, रखने व चलाने के लिए उकसाया गया था। आज उसके दुष्परिणाम सड़कों पर प्रतिदिन कई घंटों के जाम, समय की बर्बादी, सड़क चौड़ीकरण हेतु वन क्षेत्रों व प्राचीन वृक्षों के कटान, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्राकृतिक विकृतियों के स्वरूप में स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। इन दुष्परिणामों का देश-दुनिया के शासन के पास कोई समाधान नहीं है। लोगों ने इनके साथ घुट-घुट कर जीने को नियति मान लिया है। इसी प्रकार की कई वस्तुओं, सुविधाओं व सेवाओं को रखने एवं खरीदने के लिए लोगों को विवश किया जाता रहा है। लोगों से कभी

चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीप फेक, धोखाधड़ी रोकने के लिए एआई के संबंध में त्वरित और कठोर दंड की नीतियां भी लागू करनी होंगी।

पूछा नहीं गया कि उन्हें ये सब कुछ चाहिए भी कि नहीं। लोगों के बीच यही स्थिति एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की है। कंपनियों ने एक प्रौद्योगिकी विकसित कर दी है। अब उसे आभासी उत्पाद के रूप में बेचने के लिए दुनिया के शासनों पर दबाव बनाओ कि अपनी शासकीय नीतियों के माध्यम से अपने देश की जनसंख्या को इस उत्पाद के ग्राहक के रूप में परिवर्तित करने की योजनाएं बनाइए। एआई सम्मेलन का यही मूल उद्देश्य है। अमेरिका आधारित सॉफ्टवेयर की सर्वाधिक विशाल कंपनी गूगल, अपने आरंभिक सॉफ्टवेयर कर्म से लेकर नवीनतम एआई अनुप्रयोग को एक सूचनापरक आभासी उत्पाद बना, विश्व में प्रसारित कर अधिक से अधिक लाभार्जन करने हेतु व्यग्र है। विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या धारी देश है भारत। गूगल जैसी कंपनियों के लिए अपने सॉफ्टवेयर कारोबार को चमकाने के लिए, भारत न केवल ग्राहक संख्या के स्तर पर, अपितु भारतीय मूल के गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से भी, एआई बाजार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। एक अरब पचास करोड़ की जनसंख्या बहुत विशाल है। उसे एआई बेचा जाएगा तो न केवल गूगल, बल्कि अमेरिका भी आर्थिक रूप से संपन्न बनेंगे। आजकल देखा जा रहा है कि भारतीय किशोरों व युवाओं में व्यापक रुचि बने क्रिकेट को विश्वस्तर पर प्रसारित किया जा रहा है और इस प्रसारण अभियान में जो आर्थिक आधार हैं उनमें गूगल की जेमिनी भी प्रमुख प्रायोजक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूर्व जितने भी वास्तविक एवं अवास्तविक उत्पाद व सेवायें लोगों पर थोपी गई हैं, उनका प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण नहीं अपितु व्यक्तिगत व कंपनीगत लाभार्जन ही रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपवाद नहीं है। ये भी जनकल्याण नहीं, विशुद्ध लाभ की योजना है। कृत्रिम रूप में मेधा प्रस्तुत करनेवालों से सीधा प्रश्न है कि क्या यह मेधा बिना व्यक्ति के संचालित हो सकती है? अंततः इसे भी किसी व्यक्ति के मन-मस्तिष्क, विचारों-भावनाओं तथा हाथों द्वारा ही तो चलाया जाना है। जब ऐसा है तो इस पर इतना अतिशयोक्तिपूर्ण मंथन क्यों किया जा रहा है? क्या देश-दुनिया में अभी तक प्रसारित डिजिटल व कम्प्यूटर आधारित लेन-देन, गतिविधयां तथा अन्य प्रसारण अनुप्रयोग प्रतिकूलताओं अर्थात चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीप फेक, धोखाधड़ी, दुष्प्रचार, मिथ्या सूचना तथा अन्य विसंगतियों से पूर्णतः मुक्त हैं, जो कृत्रिम मेधा के सम्मुख ये चुनौतियां नहीं उभरेंगी? जब तक देश-दुनिया में बेईमान, मक्कार, अशांत, उपद्रवी, प्रकृति विरोधी, पंगे लेने की दुष्प्रवृत्तियों से घिरे हुए तथा अन्य मानवीय बुराइयों से युक्त लोग रहेंगे, तब तब कृत्रिम मेधा हो अथवा कोई अन्य प्रौद्योगिकी, सभी का पूर्ण दुरुपयोग होता रहेगा। एआई के संबंध में भी कितने ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नियम-कानून बन जायं, किंतु जब तक त्वरित व कठोर दंड की नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक कृत्रिम मेधा के माध्यम से भी कुछ भी यथोचित नहीं होगा।

ट्रंप ने ईरान पर हमले का फैसला किया, अल्टीमेटम तो महज दिखावा

पूर्व सीआईए अफसर जॉन किरियाकू ने दावा किया है कि अमेरिका ने अगले हफ्ते ईरान पर हमला करने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का दस दिन का अल्टीमेटम केवल ध्यान भटकाने के लिए है। इस सबके बीच अमेरिका ने युद्ध की आशंका के बीच अपने सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है।

- अमेरिका ने अपने सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा
- पक्का फैसला, बहुत जल्द होगा हमला

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने अगले हफ्ते की शुरुआत में ईरान पर सैन्य हमला करने का पक्का फैसला कर लिया है। जूलियन डोरे पॉडकास्ट पर बात करते हुए किरियाकू ने बताया कि व्हाइट हाउस के सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन की तरफ से दी गई समय सीमा के बावजूद हमला बहुत जल्द होने वाला है। किरियाकू ने कहा, 'मेरा एक दोस्त है जो सीआईए का पूर्व अफसर है। उसने रविवार सुबह व्हाइट हाउस में अपने दोस्तों से बात की। उसका कहना है कि सोमवार या मंगलवार को ईरान पर हमला करने का फैसला हो चुका है।

पूर्व सीआईए अफसर जॉन किरियाकू का बड़ा दावा

जॉन किरियाकू

डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति

दस दिन का समय सिर्फ ध्यान भटकाना है

किरियाकू ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल ईरान को एक प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए दस दिन का समय दिया था। इसमें ईरान को अपना बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम और यूरेनियम संवर्धन बंद करने के साथ-साथ हमास, हिजबुल्लाह और हूथी जैसे समूहों की मदद रोकने को कहा गया था। लेकिन किरियाकू का मानना है कि यह समय सीमा केवल ध्यान भटकाने की एक चाल है। उन्होंने कहा, वे आपको दस दिन देंगे, लेकिन दो दिन बाद ही हमला कर देंगे। उन्हें लगता है कि इससे दुश्मन का संतुलन बिगड़ जाता है।

सैनिकों की सुरक्षा के लिए जगह बदली

हमले की तैयारी के संकेतों के बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने सैनिकों को सुरक्षित जगहों पर भेजना शुरू कर दिया है। मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक कतर के अल उदीद बेस से सैकड़ों सैनिकों को दूसरी जगह भेजा गया है। बहरीन, इराक, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन और यूएई में भी अमेरिकी ठिकानों पर ऐसे ही बदलाव देखे गए हैं। अधिकारियों को डर है कि युद्ध होने पर वहां मौजूद 30,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक ईरान का मुख्य निशाना बन सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमले की स्थिति में इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी बेस और संपत्तियां उनका निशाना होंगी। इसे देखते हुए अमेरिका अपने एयर डिफेंस सिस्टम को शिफ्ट कर रहा है और एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरान की पहुंच से दूर रख रहा है।

ट्रंप की टीम में युद्ध को लेकर बंटवारा

पूर्व सीआईए अफसर ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के अंदर इस हमले को लेकर दो गुट बन गए हैं। उन्होंने कहा, युद्ध विरोधी गुट में जेडी वेंस और तुलसी गबार्ड हैं, जबकि युद्ध समर्थक गुट का नेतृत्व मार्को रुबियो कर रहे हैं। इसमें पीट हेगसेथ और अब ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ भी शामिल हैं। किरियाकोउ ने बताया कि ट्रंप ने पिछले 12 महीनों में सभी ज्वाइंट चीफ्स को बदल दिया है और ऐसे लोगों को रखा है जो उनके प्रति वफादार हैं। इसी वजह से सेना का रुख अब बदल गया है।

यूएफओ फाइलों से ध्यान भटकाने की कोशिश?

चर्चा के दौरान यह भी बात उठी कि सरकार जल्द ही यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कर सकती है। किरियाकू ने माना कि हमले के समय ही इन फाइलों को जारी करने की बात करना जनता का ध्यान भटकाने का एक तरीका हो सकता है। जानकारों का मानना है कि तेहरान के मौजूदा प्रस्ताव अमेरिका को रोकने के लिए काफी नहीं हैं और राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान में सत्ता परिवर्तन के विचार पर काम कर रहे हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका संतोष बंसल पत्नी भगवान दास बंसल, जाति अग्रवाल, निवासी महामाया रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-08 मोहल्ला न्यू महामाया रोड़ अम्बिकापुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2559/26 रकबा 217.77 वर्गफीट भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 09/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 19/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)
//ज्ञापन//
कमांक/386/तह० / 2026
प्रत्तापपुर, दिनाक 12/02/2026

प्रति,
मौमिन खां पिता बुदुल खां जाति मुसलमान, निवासी भटगांव, तहसील भटगांव,जिला-सूरजपुर (छ०ग०).

विषय -उपस्थिति हेतु नोटिस बाबत

इस न्यायालय का रा०प्र०क० 202601260700026/अ-27/2025-26 पक्षकार समीम खां प्रति मौमिन खां में

वादभूमि ग्राम खड़गवांकला, तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नं0 1768/1, 1897, 2413, 2715, 3050 रकबा 0.12, 2.01, 0.24, 0.27, 0.55 कुल प्लाट 05 योग रकबा 3.19 हे0 भूमि का 1/2 भाग में खाता विभाजन बाबत प्रकरण विचाराधीन है। अतः आप उक्त प्रकरण में सुनवाई की तिथी 12/03/2026 को समय 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेगें।

तहसीलदार प्रतापपुर
जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क० /अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक कुमार राय आ० स्व० जतिन्द्रनाथ राय, निवासी ग्राम नेहरूनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि भूमि खसरा नंबर 33/2, 34/2 रकबा क्रमशः 1.880, 0.120 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा दिनांक 22/01/2018 के आधार पर, वसीयतकर्ता जतिन्द्रनाथ राय आ० स्व० मादर राय का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आंपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 20/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

अब शाहू नगर माटुंगा के निवासियों पर भी अडानी ग्रुप की गाज गिर सकती है

मनपा ने भेजा नोटिस, अडानी के खिलाफ जनता का यलगार

मुंबई, अडानी ग्रुप ने धारावी में अपनी कामयाबी होते देख अब माटुंगा पूर्व के शाहुनगर पर भी अपनी गिद्ध नजर लगा दी है अडानी के समर्थन में महानगर पालिका ने शाहू नगर के निवासियों को नोटिस जारी कर दिया है मालूम हो कि धारावी बचाओ आंदोलन पिछले कई वर्षों से धारावी की जनता के हक की लड़ाई लड़ता आ रहा है, धारावी को दूसरा बी के सी बनाने के लिए अडानी ग्रुप धारावी पर कब्जा करता जा रहा है, केंद्र और राज्य में सत्ता भाजपा की होने और मुंबई महानगर पालिका में उनका महापौर होने से अडानी का रास्ता लगभग साफ हो गया है, पिछले दिनों धारावी की जनता का पुनर्वासन मलाड में किए जाने के लिए मालाड की 118 एकड़ जमीन पुनर्वासन के लिए दी गई, शनिवार को शाम 7 बजे माटुंगा लेबरकैंप के पास स्थित शाहूनगर के निवासियों की एक आक्रोशित सभा फायर स्टेशन के सामने के मैदान में हुई. शाहूनगर एक विकसित टाउनशिप है. इन्हें विकास की जरूरत भी नहीं है और वह धारावी पुनर्विकास के अंतर्गत आता भी नहीं है, फिर भी यहां के निवासियों को मनपा ने नोटिस देकर बुलाया और कहा आप लोग धारावी पुनर्विकास प्रकल्प में शामिल हो जाओ और तीन महीने का भाड़ा लेकर घर खाली करो. यह सब एक मात्र अडानी को जमीन देने के लिए यहां के रहवासियों पर घर खाली करने के लिए दबाब बनाया जा रहा है. यहां के रहवासियों ने भी ठान लिया है कि किसी भी परिस्थिति में घर खाली नहीं करेंगे. यहां के लोगों ने भी अपना संघर्ष समिति बनाया है लड़ने का मन बना लिया है. शाहूनगर रहवासियों के संस्था है शाहूनगर नागरिक समिति के नेता अरुण जाधव ने बताया कि यहां जो लोग हैं, वह 20 वर्ष पूर्व आए हैं और बीएमसी ने हम लोगों को यह घर दिया, हम लोगों को यह घर के बदले घर दिया गया. हम लोग परेल, दादर, प्रभादेवी के इलाके में अपने मालिकाना हक के घर रह रहे थे, सरकार को विकास कार्य के लिए हमारा घर की जगह चाहिए था, तो उसके बदले में मुझे यहां शाहूनगर में घर दिया गया है. शाहूनगर वेलडिवेलप है, यहां बिल्डिंग अच्छी ढंग से बनाई गई है, एक बिल्डिंग से दूसरे बिल्डिंग के बीच अच्छी जगह है, हर बिल्डिंग के बीच अच्छी सड़क है, यहां हजारों पेड़ है, अस्पताल, स्कुल, जीएम, गार्डन सभी उपलब्ध है, हमें और क्या डेवलपमेंट चाहिए. यह का पेडर रोड है. हम लोग किसी भी हालत में यह जगह नहीं छोड़ेंगे. जहाँ पीएमजीपी कॉलोनी में जाने के लिए कहा जा रहा है, वह हम लोग असुरक्षित समझते हैं और जो सुविधा यहां प्राप्त है वह वहां नहीं है. सभा को संबोधित करते हुए धारावी बचाव आंदोलन के समन्वक और शिवसेना के पूर्व विधायक बाबुराव माने ने कहा की धारावी बचाव आंदोलन आप के लड़ाई के साथ है. हम लोग इस लड़ाई को तीन साल से लड़ रहे हैं. शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में 2 लाख का मोर्चा धारावी बचाने और धारावीकर को धारावी में घर मिले इसको लेकर किया था. धारावी बचाओ आंदोलन के समन्वक और सीपीआई नेता कामरेड नसीरूल हक ने कहा की शाहूनगर की बिल्डिंग या धारावी के बिल्डिंग के बारे में 4 अक्तुबर के जीआर में कोई चर्चा भी नहीं है की इसका पुनर्विकास होगा या नहीं, सिर्फ धारावी के झोपड़ों के पुनर्विकास के बारे में बताया गया है, लेकिन हम धारावी बचाव आंदोलन के लोगों को यह पता था की जिस पद्धति से धारावी को अडानी को दिया गया है सब का नंबर आने वाला है. पहले झोपड़ों को तोड़ेगा फिर बिल्डिंग को, लेकिन शाहूनगर के बिल्डिंग का नंबर पहले आ गया, ऐसी उम्मीद भी नहीं थी धारावी बचाओ आंदोलन ने बीएमसी के बिल्डिंग और चाल के लिए मांग रखा है की घर के बदले में 750 चौरस फिट का घर धारावी में ही मिलना चाहिए.

आप लोग अपना बिल्डिंग छोड़े नहीं, एक हो कर लड़ीए धारावी बचाव आंदोलन आप के आंदोलन के साथ है. धारावी बचाव आंदोलन के समन्वक और एनसीपीशप नेता उल्लेश गाजाकोष ने कहा धारावी में जहाँ भी सर्वे हुआ वहां रोकने हम पहुंचे हैं, शाहूनगर तो पुनर्विकास से बाहर है तो यहां सर्वे भी हुआ, क्योंकि यह एक विकसित इलाका है. लेकिन अडानी को यह जगह चाहिए क्योंकि महिम स्टेशन के पास की रेल्वे की जमीन और माटुंगा आरपीएफ ग्राउंड के पास की रेल्वे की जमीन अडानी को दिया गया है, उसके बीच शाहूनगर की जमीन पड़ती है, जो उनके विकास में बाधक है. शिवसेना के स्थानीय नगर सेवक हर्शला मोरे ने कहा की हम लोग यहां के निवासियों के साथ कई बार बीएमसी और डीआरपी के ऑफिसर्स के साथ मीटिंग किया लेकिन उन लोगों का सही जवाब नहीं मिल रहा है.

रॉकेट में आई खराबी

नासा के मून मिशन को लगा बड़ा झटका, टला आर्टेमिस 2 का लॉन्च

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

नासा के प्रमुख जेरेड इसाकमैन ने शनिवार को तकनीकी समस्याओं का हवाला देते हुए मून मिशन आर्टेमिस-2 के मार्च में प्रक्षेपण की संभावना को खारिज कर दिया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी का यह मून मिशन 50 से ज्यादा वर्षों में चंद्रमा के लिए पहला मानवयुक्त फ्लाईबाई मिशन है।

इसाकमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नासा की टीम ने विशाल एसएलएस रॉकेट में हीलियम प्रवाह में एक समस्या का पता लगाया है, जिसके कारण मार्च में लॉन्च की संभावना खत्म हो जाएगी।

1960 के दशक में नासा ने यह उपलब्धि हासिल की थीं

नासा का मून मिशन आर्टेमिस-2

नासा चीफ इसाकमैन ने कहा, 'मैं समझता हूं कि लोग इस घटनाक्रम से निराश हैं। यह निराशा सबसे ज्यादा नासा की टीम को महसूस हो रही है, जो इस महान परियोजना की तैयारी में अथक मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि 1960 के दशक के दौरान जब नासा ने यह उपलब्धि हासिल की थीं जिसे अधिकांश लोग असंभव मानते थे और जिसे तब से दोहराया नहीं गया है, तो कई झटके लगे।

अगले माह की 6 तारीख को होना था आर्टेमिस-2 लॉन्च

यह अमेरिकियों के लिए चंद्रमा की सतह पर एक बार फिर कदम रखने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम होगा, लक्ष्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में घोषित किया था। बीते शुक्रवार को नासा ने 6 मार्च को प्रक्षेपण की संभावित तिथि निर्धारित की थी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी को उम्मीद है कि वह इंसानों को वापस चंद्रमा पर उतारेगी, जबकि चीन एक प्रतिद्वंद्वी प्रयास में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नक्सली बसवराजू के एनकाउंटर के बाद कमान 'देवजी' को सौंपी थी

6 करोड़ का इनामी,135 जवानों के हत्यारे नक्सली 'देवजी' ने किया तेलंगाना में सरेंडर

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

लाल आतंक के खात्मे की डेडलाइन 31 मार्च 2026 से पहले एक और बड़ी सफलता मिली है। 6 करोड़ के इनामी और 135 जवानों का हत्यारे नक्सली देवजी ने तेलंगाना में सरेंडर कर दिया है। देवजी नक्सल संगठन का महासचिव भी है। मई महीने में छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुप्रीम लीडर महासचिव नंबाला केशव उर्फ बसवराजू के एनकाउंटर के बाद नक्सलियों की कमान देवजी को सौंपी गई थी। दुर्दांत

नक्सली देवजी तेलंगाना के करीमनगर जिले का रहने वाला है। उसका जन्म जिले के कोरुटला के एक दलित परिवार के यहां हुआ था। करीब 62 साल के नक्सली देवजी को तिप्पिरी तिरुपति उर्फ संजीव पल्लव नाम से भी जाना जाता है। बसवराजू के एनकाउंटर के बाद सीपीआई (माओवादी) का सर्वोच्च महासचिव पद खाली था, जिस पर देवजी को नियुक्त किया गया था।

दुर्दांत नक्सली देवजीगुरिल्ला वॉर एक्सपर्ट

नक्सली देवजी पिछले करीब साढ़े तीन दशक से लाल आतंक नक्सलवाद से जुड़ा हुआ है। उसे बेहद दुर्दांत नक्सली कमांडर माना जाता रहा है। उसके ऊपर देश के अलग-अलग राज्यों में कुल छह करोड़ रुपए का इनाम है। वह नक्सलियों की सेंट्रल मिलिट्री कमांड का प्रमुख भी रह चुका है। उसे गुरिल्ला वॉर का एक्सपर्ट माना जाता है। अपनी गुरिल्ला शैली में जंगल में सुरक्षा बलों पर हमला करने में वह माहिर था। रानी बोदली की घटना में 55 और दंतेवाड़ा में 80 सीआरपीएफ जवानों की मौत नक्सली देवजी के नेतृत्व में हुए हमलों में ही हुई थी।

सीआरपीएफ ने छह राज्यों में हथियारों के जखीरे का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। देश से नक्सलियों को खत्म करने का मिशन अपने चरम पर पहुंच रहा है और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ ने 2026 में अब तक छह राज्यों में माओवादियों से जुड़े हथियारों तथा विस्फोटकों के 57 जखीरों का भंडाफोड़ किया है, जिसमें 101 से अधिक हथियार, विस्फोटक समेत आईईडी बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

6 राज्यों से खतरनाक हथियार बरामद किए

अधिकारियों ने बताया कि अर्द्धसैनिक बल ने छह राज्यों - छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और मध्य प्रदेश - में छापेमारी के दौरान विभिन्न प्रकार की बंदूकों (एके-47, इंसास, .303 और देसी) के अलावा कुल 52 आईईडी, 405 किलोग्राम विस्फोटक, 1,093 से अधिक डेटोनेटर तथा अन्य सामान बरामद किया।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार
रा०प्र०क०- /अ-6/2025 - 2026

एलद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय श्रीवास्तव आ०स्व० राधिका रमण श्रीवास्तव, उम्र 55 वर्ष, जाति कायस्थ निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक बलदेव प्रसाद सोनी आ०स्व० साधू साव सोनी, उम्र 88 वर्ष, निवासी पंचशील गली अम्बिकापुर जिला सुरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03 मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्र० 1038/2 में से रकबा 462.24 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 18/02/2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अत उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत चारा 109, 110 छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/03 /2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। गया। आज दिनांक 20/02/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202602020700092/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणी- राजस्व
सनः-2025-2026
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [4976(0.2310हे0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - कुमकुम जायसवाल,
अनावेदक पक्षकार - कमलादेवी,

ईश्तहार

आवेदक कुमकुम जायसवाल पति स्व० सुरेन्द्र कुमार जायसवाल व अन्य निवासी ग्राम चंदगीराम टावर फलैट नंबर 507 एम0जी0 रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4976 रकबा 0.231 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार कमला देवी जायसवाल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जागेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/02/2026 को जारी किया जाता है।

तसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202602020700151/

विषयः-अ-27
मामले की श्रेणी- राजस्व
सनः-2025-2026
नमना कला प.ह.न. 00020 [157/57(0.2390हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - अशोक, प्रतिभा, संध्या, पूनम, बद्रीश, नितेश, माया श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, प्रीती श्रीवास्तव, स्मृति श्रीवास्तव,
अनावेदक पक्षकार -अशोक, प्रतिभा, संध्या, पूनम, बद्रीश, नितेश, माया श्रीवास्तव विवेक श्रीवास्तव, प्रीती श्रीवास्तव, स्मृति श्रीवास्तव,

ईश्तहार

आवेदक अशोक कुमार श्रीवास्तव आ० कौशल कुंवर व अन्य निवासी राजेन्द्रनगर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 157/57 रकबा 0.239 हे० भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/7 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दाना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के कद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुदा से आज दिनांक 10/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील - अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रंजय स्वर्णकार आ० स्व० रामचन्द्र स्वर्णकार, निवासी महामाया रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर-03 मोहल्ला-देवीगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1166/5 रकबा 0.01 एकड़ (400 वर्गफीट) एवं भू खण्ड क्रमांक 1166/10 रकबा 0.01 एकड़ (400 वर्गफीट) भूमि को अनावेदक/क्रेता सीमा सोनी पति विकास कुमार सोनी, निवासी भैयाथान रोड़ सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर, छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/ /अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण अशोक जिंदल आ० स्व० ओम प्रकाश जिंदल, निवासी कबीर वार्ड क्रमांक 44. अम्बिकापुर, राजेश जिंदल आ० स्व० ओम प्रकाश जिंदल, निवासी मणीपुर - अम्बिकापुर, सौभाग्य जिंदल, साक्षी जिंदल, शिवांगी जिंदल, प्राची जिंदल आ० स्व० बजरंग जिंदल, निवासी नवापारा जवाहरनगर वार्ड क्रमांक 9 महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड अम्बिकापुर, उषा अग्रवाल पत्नी पवन कुमार अग्रवाल, निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर, मूर्ति देवी जिंदल पत्नी स्व० ओम प्रकाश जिंदल, निवासी बरेजपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला-सदर रोड़, नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-08 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक-2722/2. 2722/3 रकबा 0.01, 0.001/2 एकड़ भूमि से अपना हक अनावेदक सुभाष जिंदल आ० स्व० ओमप्रकाश जिंदल, निवासी जाकिर हुसैन वार्ड अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अधा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 11/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०-/अ6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सिमरन कौर बग्गा पति तजिन्दर सिंह बग्गा, उम्र-43 वर्ष, जाति सिक्ख निवासी देवीगंज रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदिका श्रीमती किरण वर्मा पति स्व. राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, उम्र 75 वर्ष, निवासी महामाया रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 04 मोहल्ला बौरीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्र. 2038/6 में से रकबा 2619 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 17.09.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु अवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/03 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19/02/2026 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रश्मि स्वर्णकार पति रंजय स्वर्णकार, निवासी महामाया रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर-03 मोहल्ला देवीगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1166/9 रकबा 0.013/4 एकड़ (844 वर्गफीट) भूमि को अनावेदिका/क्रेता सीमा सोनी पति विकास कुमार सोनी, निवासी भैयाथान रोड़ सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर, छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र. ब121/2021-22-2026

ग्राम कृष्णापुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम नारायण आ. जगेशर जाति पनिका निवासी ग्राम कृष्णापुर ने लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ.ग. द्वारा आवेदक अपनी माता स्व.जुकमनिया का विलंब मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत अनुलब्धता प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दस्तावेज के साथ न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है, मृत्यु दिनांक 20/10/2011।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हों तो स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 09/03/2026 को इस न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात दावा आपत्ति में कोई विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक 23/02/2026 को न्यायलीन पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया

न्यायालय उप तहसील
देवनगर जिला सूरजपुर छ.ग

इतिहास से प्रेरणा लेकर ही सशक्त भविष्य का निर्माण संभव-संस्कृति मंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक साइंस कॉलेज ग्राउंड में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग द्वारा आयोजित विश्वविख्यात महानाट्य ह्यजाणता राजा का भव्य समापन समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर तथा आदिम जाति विकास विभाग के सचिव सोनमणि बोरा भी उपस्थित थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के अद्वितीय शौर्य, रणनीति, राष्ट्रभक्ति और लोक-कल्याणकारी शासन की गाथा पर

आधारित इस ऐतिहासिक महानाट्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। भव्य मंच सज्जा, सजीव अभिनय, प्रभावशाली प्रकाश एवं ध्वनि संयोजन तथा ऐतिहासिक दृश्यों की जीवंत प्रस्तुति ने मानो इतिहास के स्वर्णिम पन्नों को साकार कर दिया। महान मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ह्यजाणता राजा केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव और स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। इस विश्वप्रसिद्ध नाट्यकृति की संकल्पना और प्रस्तुति सुप्रसिद्ध रंगकर्मी बाबासाहेब पुरंदरे द्वारा की गई थी, जिसने दशकों से देश-विदेश में दर्शकों को इतिहास से जोड़ा है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जाणता राजा केवल एक नाटक नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास की उस अमर गाथा का सजीव दर्शन है, जिसने हमें स्वराज, स्वाभिमान और सुशासन का मार्ग दिखाया। छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। उनके आदर्श हमें साहस, संगठन और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर ऐसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजनों का होना हमारे लिए गौरव का विषय है। राज्य सरकार संस्कृति और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ते हैं और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। मंत्री अग्रवाल ने आयोजन की सफलता के लिए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग, कलाकारों, तकनीकी टीम तथा सभी सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी राज्य में ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर सके। ह्यजाणता राजा जैसे भव्य ऐतिहासिक मंचन न केवल सांस्कृतिक चेतना को जागृत करते हैं, बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई दिशा देते हैं। रायपुर में इस आयोजन ने प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं में इतिहास के प्रति नई जिज्ञासा और गर्व की भावना उत्पन्न की। समापन अवसर पर पूरा परिसर जय भवानी, जय शिवाजीह्व के उद्घोष से गूंज उठा, जिसने वातावरण को राष्ट्रभाव से ओतप्रोत कर दिया।

मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर पादप बोर्ड द्वारा 2100 औषधीय पौधों का वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्थानीय आदिवासी स्वास्थय परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के जन्मदिवस के अवसर पर उनके गृह ग्राम बगिया में 2100 औषधीय पौधों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण एवं पारंपरिक औषधीय ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को औषधीय पौधों के महत्व, उनके संरक्षण तथा घरेलू उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि यह पहल राज्य सरकार की पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक आदिवासी स्वास्थ्य पद्धतियों को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार और छत्तीसगढ़ स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम के मार्गदर्शन में औषधीय पौधों का वितरण कर लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया। इससे एक ओर हरित आवरण बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की गई। साथ ही उनके नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का विश्वास व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री से राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त हुए अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में राज्य प्रशासनिक सेवा तथा एलाइड सर्विस से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में नियुक्त अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति न केवल गौरव का विषय है, बल्कि यह जनसेवा के व्यापक अवसरों और जिम्मेदारियों का भी

प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकारियों की सक्रिय भूमिका से प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त तीर्थराज अग्रवाल, सुश्री लीना कोसम, बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, सुमित अग्रवाल, संदीप कुमार अग्रवाल, आशीष कुमार टिकरिहा, ऋषभ पाराशर एवं तरुण किरण उपस्थित थे।

राज्य में दिव्यांग सशक्तिकरण को नई गति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की समावेशी और संवेदनशील नीतियों का प्रभाव अब सुदूर वनांचलों तक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में राज्यभर में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सुकमा जिले में आयोजित तीन दिवसीय विशेष दिव्यांग सशक्तिकरण शिविर में 401 दिव्यांगजनों को आधुनिक सहायक उपकरण प्रदान कर आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई गई। सुकमा के शबरी

ऑडिटोरियम में 20 से 22 फरवरी तक आयोजित इस शिविर में कोंटा, छिंदगढ़ और सुकमा विकासखंड के हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें आवश्यक उपकरण मौके पर ही उपलब्ध कराए गए। यह शिविर केवल वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और सम्मानजनक जीवन की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। शिविर में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक जयपुर फुट,ह्व कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण तैयार कर वितरित किए गए। वर्षों से बैसाखियों के सहारे चल रहे कई हितग्राहियों को जब आधुनिक कृत्रिम अंग मिले, तो उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और नई उम्मीद साफ झलक रही थी। ट्राइसिकल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, छड़ी, स्टिक और बैसाखी जैसे उपकरण शिविर स्थल पर ही प्रदान किए गए। आर्टिफिशियल कैलिपर्स के लिए माप लेकर शीघ्र वितरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। समाज कल्याण विभाग की नोडल अधिकारी सुश्री मधु तेता ने बताया कि शिविर में 213 दिव्यांगजनों के प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन भी लिए गए, ताकि वे राज्य शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। यह पहल दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा है कि राज्य का कोई भी नागरिक अपनी शारीरिक बाधा के कारण अवसरों से वंचित न रहे। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए विभागीय योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए हैं। सुकमा का यह शिविर राज्य स्तर पर दिव्यांग सशक्तिकरण के व्यापक अभियान की कड़ी है।

विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है। उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। संस्था का 137 से अधिक देशों में विस्तार

होना अत्यंत सुखद और प्रेरक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ब्रह्माकुमारी बहनों के अतिथि बने और पवित्र ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कैबिनेट मंत्रीगण और सभी विधायकगणों ने भी ब्रह्मा भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के सभी सदस्यों को माउंट आबू आने का आग्रह किया, जिसे मुख्यमंत्री साय ने सहर्ष स्वीकार करते हुए वहां आने की सहमति दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक धरमलाल कौशिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी परिवार की ओर से मृत्युंजय भाई, आत्म प्रकाश भाई, हेमलता दीदी, लता दीदी, आशा दीदी, सरिता दीदी एवं सविता दीदी सहित अन्य सदस्य कार्यक्रम में सहभागी रहे।

गौ तस्करों पुलिस मुठभेड़, एक घायल गिरफ्तार, दूसरा फरार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। जिले के करमा थाना क्षेत्र में पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वांछित गौ तस्कर करन जायसवाल घायल होकर गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं घायल आरोपी को इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में सीएचसी घोरावल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर पहले से गौ तस्करी, गैंगस्टर एक्ट और हत्या सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। सोनभद्र के करमा थाना क्षेत्र में गौ तस्करों के खिलाफ बड़ी पुलिस कार्रवाई सामने आई है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जुगनी जंगल इलाके में घेराबंदी की, जहां बाइक सवार तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ की जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वांछित गौ तस्कर करन जायसवाल के पैर में गोली लगी और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान दूसरा आरोपी सहाबे आलम अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

नवीन श्रम संहिताओं से श्रमिकों को मिलेगा आर्थिक व सामाजिक सशक्तिकरण- योगेश दत्त मिश्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा स्थित छिंदनार ग्राम पंचायत में रविवार को श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत 1242 हितग्राहियों को डीबीटी के माध्यम से 1 करोड़ 4 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा श्रमिकों और उनके परिवारों के हित में 31 से अधिक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं की जानकारी प्रत्येक श्रमिक तक पहुँचना आवश्यक है, तभी वे इसका समुचित लाभ ले सकेंगे। श्रमिक जन संवाद

सम्मेलन का उद्देश्य भी यही है कि अधिक से अधिक श्रमिक भाई-बहन योजनाओं से जुड़ें और लाभान्वित हों। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार ने श्रमिकों के हित में चार नई श्रम संहिताएँ लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जो श्रमिकों और उनके परिवारों के आर्थिक व सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जिनके विकास के बिना देश का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने चारों नई श्रम संहिताओं मजदूरी संहिता, 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता (ओएसएच), 2020 तथा औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए प्रावधानों के तहत राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा, जिससे कोई भी राज्य निर्धारित वेतन से कम भुगतान नहीं कर सकेगा। साथ ही मजदूरों और उनके परिवारों की सुरक्षा, उपचार, भविष्य निधि तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएँ और सुदृढ़ की जाएंगी। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं श्रमिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक श्रमिकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें लाभ लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सुनीता भास्कर, जनपद अध्यक्ष शकुंतला भास्कर, जिला पंचायत सदस्य ममता मंडावी, जिला पंचायत सदस्य तुलेश्वरी नागेश, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संतोष गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, श्रम विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जगदलपुर के श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप अब संस्कार सिटी स्कूल में संवार रही अपना भविष्य

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर उनके बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत होता दिख रहा है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता का अध्याय लिख दिया है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है, जो उनके परिवार के लिए किसी सुखद चमत्कार से

कम नहीं है। यहां डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययन कर रही है और बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करेगी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पूरी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान ने परिवार के सिर से आर्थिक चिंता का बोझ पूरी तरह हटा दिया है, जिससे अब डिंपल की प्रगति की राह में कोई बाधा नहीं आएगी। अपनी बेटी की इस अभूतपूर्व सफलता पर पिता नंदकिशोर कश्यप भावुक स्वर में कहते हैं कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। वे दिन-रात कड़ी मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चों का भविष्य उनके अपने संघर्षपूर्ण जीवन से कहीं बेहतर और सुगम हो सके। आज सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने उनके उन धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं। माता-पिता के रूप में कश्यप दंपत्ति आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब यह अटूट विश्वास हो चला है कि उनकी बेटी का भविष्य न केवल सुरक्षित है, बल्कि वह अपनी अटूट लगन से सफलता के उस आसमान को भी छू सकेगी जिसका उन्होंने कभी केवल कल्पनाओं में विचार किया था। ग्राम बिलौरी-2 से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर समाज के उस हर वर्ग के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकार की योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

जिले में हुई बारिश और कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि से ठंड का पलटवार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को जिला मुख्यालय सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में हुई बारिश से एक बार ठंड ने पलटवार किया है। बीते कुछ दिनों से दिन में तेज धूप के कारण गर्मी के एहसास होने लगा था और लोग ठंड के गर्म कपड़े समेटने में लग गए थे। परंतु मौसम ने करवट बदला और आसमान में छाए बादल तेज हवा के साथ सोमवार को बरस पड़े, जिससे एक बार फिर ठंड ने पलटवार करते हुए लोगो को गर्म कपड़ो में समेट दिया है। जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में करीब एक घंटे तक चली तेज हवा झमाझम बारिश और हल्की ओलावृष्टि ने क्षेत्र में ठंड का अहसास करा दिया। बारिश का असर क्षेत्र की मुख्य फसलों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इन दिनों खेतों

में आम और महुआ के फूल-फल के साथ गेहूं, अरहर, चना और मटर की फसल तैयार अवस्था में है। अचानक हुई बारिश और ओलों की मार से फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो उत्पादन पर असर पड़ेगा और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। बिहारपुर क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान निर्माण के लिए कच्ची ईंट बनाने का कार्य इन दिनों जोरों पर है। कई ग्रामीणों ने तैयार ईंटों को बचाने के लिए तिरपाल ढंक दिया, लेकिन कई लोगों की कच्ची ईंटें बारिश में भीगकर खराब हो गईं। ग्रामीणों का कहना है कि मिट्टी से तैयार की गई ईंटें पूरी तरह सूखने से पहले बारिश में गल जाती हैं, जिससे मेहनत और लागत दोनों पर पानी फिर जाता है। इससे निर्माण कार्य में देरी के साथ अतिरिक्त खर्च का बोझ भी बढ़ रहा है। बारिश से जहां मौसम सुहावना हो गया है, वहीं किसान और आवास निर्माण करा रहे ग्रामीण चिंता में हैं। यदि आने वाले दिनों में दोबारा तेज बारिश होती है तो फसल और निर्माण कार्य दोनों को भारी नुकसान होने की संभावना है।

50 लाख की लागत से संवरेगा मां गढ़वातिया देवी धाम

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े करेंगी भूमि पूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर चांदनी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत महुली स्थित माँ गढ़वातिया देवी धाम महुली में 50 लाख की स्वीकृत राशि से विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन आज मंगलवार को संपन्न होगा। इस आयोजन को लेकर चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भटगांव विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े होंगी जिनके द्वारा भूमि पूजन कर मंदिर परिसर में प्रस्तावित निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी। विशिष्ट अतिथियों में वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, जिपं सदस्य श्रीमती कुसुम सत्यनारायण सिंह, मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े, जिला उपाध्यक्ष शिवप्रसाद सिंह एवं सरपंच महुली रनसायं खैरवार शामिल रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जगप्रसाद सिंह करेंगे। जानकारी के अनुसार 50 लाख की लागत से मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं के लिए शेड व्यवस्था, मार्ग एवं प्रवेश द्वार का उन्नयन,पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था, मंच निर्माण कार्य किये जायेंगे।

इन कार्यों के पूर्ण होने से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों का मानना है कि यह विकास कार्य क्षेत्र की आस्था के केंद्र को नई पहचान दिलाएगा। कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष जायसवाल सहित समस्त समिति सदस्य व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

हरी झंडी दिखाकर कलेक्टर ने मोहनपुर-बैकुंठपुर बस किया रवाना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के चौथे चरण के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में

सार्वजनिक परिवहन सुविधा को और सुदृढ़ करते हुए सोमवार को एक नई बस सेवा का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने संयुक्त जिला कार्यालय के प्रांगण से बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई बस सेवा मोहनपुर से बैकुंठपुर के बीच संचालित होगी। निर्धारित रूट के अनुसार यह बस मोहनपुर से प्रस्थान करते हुए पम्पानगर, रामानुजनगर, अर्जुनपुर, तिवरागुड़ी, गोविंदपुर, तेजपुर, बरहोल और कुडेली होते हुए बैकुंठपुर तक पहुंचेगी। इस मार्ग पर बस सेवा शुरू होने से इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी, जो अब तक परिवहन की समस्या से जूझ रहे थे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने का यह प्रयास जिले में लगातार जारी है।

जिले के चयनित ग्रामो में आयोजित की गई विशेष ग्राम सभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन द्वारा शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को जिले के चयनित ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार आयोजित इन ग्राम सभाओं में विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा, पात्र हितग्राहियों का सत्यापन एवं आवश्यक प्रस्तावों को पारित किया गया। विशेष ग्राम सभा में सर्वप्रथम शासन की महत्वाकांक्षी 'धरती आबा योजना' के अंतर्गत वन क्षेत्र से प्रभावित ग्राम पंचायतों में सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति के

संबंध में विस्तृत चर्चा एवं अनुमोदन किया गया। इस योजना के तहत दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके साथ ही 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के अंतर्गत वनपट्टा धारी कृषकों के भौतिक सत्यापन के उपरांत अपात्र पाए गए कृषकों के संबंध में ग्राम सभा में विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए, जिससे योजना का लाभ केवल पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके। ग्राम सभा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों के अंतर्गत 'विभिन्न ग्रामसभा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन तथा कर वसूली एवं अन्य स्थानीय विषयों पर भी व्यापक चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर जयवर्धन के नेतृत्व व जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में ग्रामीण स्तर पर शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं पारदर्शिता के साथ उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयासरत है। विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से सीधे जोड़ने की यह पहल जिले में सुशासन की दिशा में एक सार्थक कदम है।

केंद्रों में शांतिपूर्ण आयोजित हो रही 12वीं की बोर्ड परीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा कक्षा 12वीं विषय-राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र, लेखा शास्त्र, फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र, वस्तु चित्रण एवं आलेखन, शरीर क्रिया विज्ञान एवं प्राथमिक चिकित्सा की परीक्षा जिले में हायर सेकण्डरी स्कूल के लिए निर्धारित सभी 70 परीक्षा केंद्र में परीक्षा शांतिपूर्ण से संपन्न हुई। जिले एवं विकासखंड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जिले के समस्त परीक्षा केंदो में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होना पाया गया एवं किसी भी परीक्षा केंद्र में कोई नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

हवलदार उमेन्द्र को सेना में मिली पदोन्नति, बने नायब सुबेदार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर विकासखण्ड चंदननगर के लाल हवलदार उमेन्द्र जायसवाल सेना में नायब सुबेदार के पद पर पदोन्नत हुए हैं। 15 वीं मैहर रेजिमेंट के हवलदार तथा वर्तमान में सिलगुड़ी में पदस्थ श्री जायसवाल को सेना के सादे समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह पदोन्नति दी गई है। उल्लेखनीय है कि प्रेमनगर के चंदननगर में स्व. महादेव जायसवाल के घर जन्मे उमेन्द्र कुमार ने 15 वीं मैहर रेजिमेंट सागर में वर्ष 2002 में 24 वर्ष पूर्व सेना में भर्ती हुए थे और मेनका सुंदरवन जम्मू कश्मीर में श्री जायसवाल को पहली पोस्टिंग मिली थी। उसके उपरांत 2006 में भटिंडा पंजाब, 2009 में अरूणाचल प्रदेश, 2011 में देहरादून, 2014 में मेंडर सेक्टर कश्मीर के बाद 2017 में लालगढ़ राजस्थान में अपनी सेवाएं सेना में दी। वर्ष 2019 में फिर एक बार गुरेज व गुलमर्ग

सेक्टर कश्मीर में सेवाएं देते हुए 2021 में कश्मीर के ही बारामूला में पदस्थ रहे और 2023 से वर्तमान में सुकना सिलीगुड़ी में अपनी सेवाएं दे रहे सेना के हवलदार उमेन्द्र जायसवाल को लंबे समय के बाद उनके बेहतर कार्य और कर्मठता को देख बड़ी पदोन्नति के रूप में नायब सूबेदार का पद मिला है। सेना में जेसीओ की पदोन्नति के साथ ही कंधे पर स्टार सुशोभित होने के साथ सूरजपुर अंचल के लिए भी यह गौरवान्वित होने का क्षण व अवसर है। इस दौरान सेना के द्वारा पदोन्नति के बीच उनकी पत्नी श्रीमती पार्वती जायसवाल से भी विडियो कॉलिंग पर सेना के अधिकारियों में सीईओ व अर्जुडेंट तथा एसएम साहब ने बातचीत की और परिवार के बारे में जानकारी ली। नायब सूबेदार के रैंक से नवाजे गए श्री जायसवाल के लाईव मूवमेंट को भी विडियो कॉल के माध्यम से दिखाया।

इस दौरान श्रीमती जायसवाल इस अवसर पर सेना का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके और उनके परिवार के लिए यह बड़ा अवसर है, जब उनके पति देश सेवा के जज्बे के साथ सेना में हैं और उन्हें बड़ी पदोन्नति के रूप में नायब सूबेदार के रैंक से नवाजा गया है। पदोन्नत व रैंक सेरेमनी के उपरांत चंदननगर सहित प्रेमनगर में उत्साह का वातावरण है और लोग उनके परिजनों को बधाईयां भी दे रहे हैं।

माइक्रोप्लान बना आयुष्मान व वय वंदना योजना हेतु जिले के हितग्राहियों का करें पंजीयन : जयवर्धन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में आयोजित तीन दिवसीय आयुष्मान महाअभियान शिविर को सफल बनाने हेतु कलेक्टर एस. जयवर्धन ने योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश समय सीमा की बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिये है। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कपिल पैकरा को माइक्रोप्लान के तहत कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, मितानिन के साथ-साथ पंचायत विभाग व महिला बाल विकास विभाग से समन्वय स्थापित करने, पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानीन, स्वाथ्य कार्यकर्ता, सीएचओ, आरएचओ व अन्य मैदानी कार्यकर्ताओं तथा मोहल्ला, चौक इत्यादि पर शिविर लगाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही घर घर जाकर, आयुष्मान व वय वंदना आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये, ताकि जिले के पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ा

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में दिए निर्देश

जा सकें। इस अवसर पर कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की कि जिलेवासी उक्त तीन दिवसीय आयुष्मान महाअभियान शिविर का ज्यादा से ज्याद हिस्सा बनें और इस योजना से जुड़कर अपने परिवार को स्वास्थ्य का सुरक्षा कवच प्रदान करें। इसके साथ ही बैठक में 25 फरवरी तक चलने वाले फाइलेरिया सामुहिक दवा सेवन के संबंध में भी जानकारी ली गई। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि सामूहिक दवा सेवा कार्यक्रम जिले तीन विकासखंड सूरजपुर, रामानुजनगर और प्रेमनगर में चल रहा है। इस अभियान के तहत 22 फरवरी की स्थित में 3.39.433 लाख अर्थात् 81 प्रतिशत हितग्राहियों द्वारा फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन लिया गया हैं। कलेक्टर ने अभियान को और बल देने की बात कही और शत प्रतिशत लोगों का लाभान्वित किया जा सकें। बैठक में डीएफओ डी.पी साहू, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, जिला स्तरीय व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

U;k;ky; rglhynkj vfEcdkiqj ftyk&ljxqtk ¼N-x-½

रा०प्र०क्र०—/ब—121/2025—26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जाहिद आलम आ० मो० मुखतार आलम निवासी वार्ड नंबर 38 अग्रसेन वार्ड नजदीक मस्जिद हेरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4598/12 रकबा 0.005 हे० भूमि को अनावेदक रुकसाना प्रवीन पति जाहिद आलम निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास दान करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/03/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा—आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय—सीमा के बाद प्राप्त दावा—आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग सूरजपुर के द्वारा सूरजपुर में स्थित भूमि खसरा नम्बर 1711 स्टेडियम ग्राउण्ड के बगल मे पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास सूरजपुर भवन निर्माण हेतु भूमि की मॉग किया गया है।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 13.03.2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11.02.2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार
सूरजपुर

जी-252606831/1

यादव जी की लव स्टोरी पर बवाल, 25 को प्रदर्शन करेगा सर्व यादव समाज

फिल्म पर प्रतिबंध की मांग, जिला मुख्यालयों में सौंपा जाएगा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। 27 फरवरी को प्रस्तावित रिलीज फिल्म यादव जी की लव स्टोरी को लेकर छत्तीसगढ़ में विरोध की चिंगारी तेज हो गई है। सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ ने 22 फरवरी को आयोजित प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक में फिल्म का विरोध करने का निर्णय लिया। समाज ने इसे यादव समाज के स्वाभिमान और अस्मिता के विरुद्ध बताया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 25 फरवरी को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और फिल्म बोर्ड के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। समाज ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ के

प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु ने कहा कि फिल्म के माध्यम से समाज को बदनाम करने की साजिश की जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विरोध दर्ज कराने का आह्वान किया। युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष परमेश्वर यादव ने युवाओं से आंदोलन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं महिला प्रदेश अध्यक्ष धनमती यादव ने कहा कि समाज की बहन-बेटियों की छवि को धूमिल करने के किसी भी प्रयास का महिला वर्ग मुखर विरोध करेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि फिल्म की कहानी में एक यादव लड़की और मुस्लिम युवक की प्रेम कथा को प्रदर्शित किया गया है, जिससे सामाजिक भावनाएं आहत होने और सामाजिक सौहार्दप्रभावित होने की आशंका जताई गई है। समाज के पदाधिकारियों ने फिल्म को समाज की अस्मिता के खिलाफ बताते हुए तत्काल प्रतिबंध की मांग दोहराई।वर्चुअल बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष डीसी यादव, संभागीय अध्यक्ष सरगुजा देवनारायण यादव सहित विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष और बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समाज ने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आगे और व्यापक आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

अमेरा खदान से कोयला चोरी करने के मामले में एक गिरफ्तार, 2.5 टन कोयला जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। थाना क्षेत्र के अमेरा कोयला खदान से कोयला चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन में कोयला चोरों के बुलंद हौसलों को तोड़ने की कोशिश अनवरत जारी है। गिरफ्त में आया आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर संगठित गिरोह बनाकर कोयला चोरी की घटना को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल एवं कोयला खदान से चोरी किया गया लगभग 2.5 टन कोयला बरामद किया है। मामले में अन्य आरोपी फरार हैं, जिनके तलाश में पुलिस लगी है।

बता दें कि थाना लखनपुर स्थित अमेरा कोयला खदान में कुछ व्यक्तियों के द्वारा संगठित गिरोह बनाकर कोयले की चोरी एवं तस्करी करने की सूचना प्राप्त हुई थी। मामले कों संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा थाना लखनपुर पुलिस टीम को मौके पर जाकर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना लखनपुर पुलिस टीम द्वारा मामले में शामिल आरोपी आनंद राम केवट पिता सुखराम केवट 36 वर्ष, निवासी पुहपुटरापारा चिलबिल को गिरफ्तार किया है, जिसने पूछताछ में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर संगठित गिरोह बनाकर प्रतिबंधित क्षेत्र से कोयला चोरी करना स्वीकार किया है। साथ ही खदान से चोरी किए गए अवैध कोयले को अपने घर में छिपाकर रखना बताया। आरोपी के निशानदेही पर चोरी किया गया करीब 2.5 टन कोयला व मोटरसायकल बरामद किया है, जिसकी कीमत लगभग 01 लाख रुपये है। आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, प्रधान आरक्षक देवनारायण सिंह, प्रवीण तिवारी, आरक्षक दशरथ राजवाड़े सक्रिय रहे।

नकदी एवं मोबाइल फोन लूट के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नकदी एवं मोबाइल झपटमारी के मामले में फरार आरोपी को दरिमा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मामले में पूर्व में 02 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन जब्त किया है।

जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के मोहनपुर पटेलपारा निवासी बुचन राम नागेसिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 30/12/25 को वह अपने ससुराल पहाड़पारा से 10 हजार रुपये एवं वीवो कंपनी का मोबाइल थैला में रखकर पैदल घर जाने के लिए निकला था, शाम को करीबन 4 बजे महेशपुर जंगल के पास मोहनपुर की ओर से तीन व्यक्ति स्कुटी में सवार होकर आए और हाथ में रखे थैला को झपटकर ले गए। रिपोर्ट पर थाना दरिमा में धारा 304(2), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध करके पुलिस ने विवेचना में लिया था। पुलिस टीम द्वारा मामले में कार्रवाई करते हुए 02 आरोपी नागेश्वर पैकरा उर्फ डोडू एवं खुशबू यादव को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजा था। मामले में फरार आरोपी के तलाश में पुलिस लगी थी। पुलिस टीम के सतत प्रयास से फरार आरोपी मनीष उर्फ पतों उर्फ लक्ष्मण यादव पिता चक्रधारी यादव 21 वर्ष निवासी वंदना यादवपारा थाना सीतापुर पुलिस के हाथ लग गया। पूछताछ में वह घटना में शामिल रहना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक राजेश खलखो, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक सुजीत पाल, शत्रुधन सिंह, भोजराज पासवान, आरक्षक शेरशाह मिंज, अशोक कुमार, जितेश साहू सक्रिय रहे।

प्रेमिका से मनभेद के बाद युवक कीटनाशक का सेवन किया, इलाज दौरान हुई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रेमिका से हुए विवाद के बाद बातचीत बंद होने से क्षुब्ध होकर युवक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कुल्हाड़ी निवासी गणेश पिता बुधराम (29) गांव के नान बाबा के यहां मजदूरी करता था। 15 फरवरी को शाम करीब 06 बजे नान बाबा के यहां से काम करके घर आया और कुछ देर बाद खाना खाने की बात कहकर घर से निकल गया। डेढ़ घंटे बाद शराब पीकर वापस घर आया तो पिता ने कहा खाना नहीं बनाया हूं, खाओगे तो बनाउंगा। इस पर गणेश नहीं खाउंगा कहा, और दोनों पिता-पुत्र एक ही बिस्तर में सो गए। करीब एक घंटे बाद गणेश खांसते हुए बिस्तर के नीचे उल्टी करने लगा। टार्च जलाकर स्वजन देखे तो वह लाल रंग उल्टी में दिखाई दिया। पूछताछ करने पर वह दवाई पीने की जानकारी दिया, लेकिन कौन सा दवाई पिया है, नहीं बताया। मोटरसायकल से स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इमरजेंसी में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे एसआईसीयू वार्ड में भर्ती कराया था, जहां उसका इलाज चल रहा था। अस्पताल में चल रहे इलाज के बीच स्वजन जब उससे पूछताछ किए तो उसने कल्याणपुर की किसी लड़की को पसंद करने और आपस में विवाद के बाद मनमुटाव होने के कारण गुस्से में कीटनाशक दवा का सेवन करने की जानकारी दी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद गांधीनगर थाना पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई करेगी।

मानव अधिकार देता है भेदभाव रहित सुरक्षित और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में 'मानव अधिकार, समानता, गरिमा और न्याय की ओर' विषय पर हुई कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'मानव अधिकार, समानता, गरिमा और न्याय की ओर' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. निधि सक्सेना एसोसिएट प्रोफेसर फैकल्टी ऑफ लॉव यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि मानव अधिकार मानव की आवश्यकता के अनुरूप बनाया गया है। मानव अधिकार यूनिवर्सल है, हमें जो जीने का अधिकार भारत में मिला है, वही हमें बाहर भी मिला हुआ है। फंडामेन्टल राइट्स सबको मिला है। सरकार का काम है मनुष्य को मानव अधिकार देना और उसका संरक्षण करना। साथ ही उन्होंने जॉन लॉक एवं रूसो द्वारा दिए गए मानव अधिकार के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि मानव अधिकारों का उद्देश्य दुनिया के हर व्यक्ति को जाति, धर्म, लिंग, भाषा या राष्ट्रीयता के भेद बिना सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार देना है। भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय पाने का अधिकार, सभी मानव अधिकारों के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने कहा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मानव अधिकारों के महत्व को विश्व स्तर पर स्वीकार किया गया। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने पूरी दुनिया के लोगों के लिए मानव अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। आज भी विश्वभर में कई संस्थाएं इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रही हैं, जैसे एमनेस्टी इंटरनेशनल। भारत में भी मानव अधिकारों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग कार्य करता है, जो लोगों के अधिकारों के उल्लंघन की जांच करता है और न्याय दिलाने में मदद करता है। उन्होंने डायरेक्टिव प्रिंसिपल्स के बारे में भी विस्तार से बताया।

डॉ. समन नारायण उपाध्याय असिस्टेंट प्रोफेसर ऑफ लॉ डिपार्टमेंट, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा ने कहा कि मानव होने के नाते जितने अधिकार हमें प्राप्त होते हैं, उस अधिकार से मानव अपने जीवन को सुचारु रूप से चला सकता है। उन्होंने सबसे पहले शिक्षा के बारे में बताया और कहा शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यवहार में होने वाला परिवर्तन है, साथ ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास भी करता है। हमें इस प्रकार शिक्षा प्राप्त करना है जो समाज में सेवा का पर्याय बन सके और समाज के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा राइट टू एजुकेशन में 6 से 14 वर्ष के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा कक्षा एक से 8 तक दी जा रही है। उन्होंने भारत के फंडामेन्टल राइट्स के बारे में विस्तार से बताया। अमृता जायसवाल गायत्री परिवार ट्रस्टी अंबिकापुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव का अधिकार और कर्तव्य एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा सबसे पहले हमें कर्तव्य को जानना है, कर्तव्य को बताते हुए आत्मबोध करना ही हमारा कर्तव्य है। व्यवहार, विचार, आचरण ही हमारे संस्कार हैं। सुबह हमें प्रात: जल्दी उठना चाहिए, प्रतिदिन मेडिटेंशन करना चाहिए, अपने पूरे दिन का दिनचर्या निर्धारित करना चाहिए। कहा जाता है सुबह जो कार्य करते हैं, वह निश्चित ही सफल होता है। प्रो. अशोक कुमार प्रोफेसर आफ लॉ, हेड डीन स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार ने ऑनलाइन प्रशिक्षणार्थियों को मानव अधिकार के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने कहा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी सत्य, अहिंसा और समानता के माध्यम से मानव गरिमा और अधिकारों की रक्षा का संदेश दिया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना ही सच्ची मानवता है। मानव अधिकार केवल पाने की चीज नहीं, बल्कि निभाने की जिम्मेदारी भी है। जब हम दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हैं, तभी हमारे अधिकार भी सुरक्षित रहते हैं। हमें जागरूक नागरिक बनकर अन्याय, भेदभाव और शोषण के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। अंत में उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा ही एक शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज की नींव है। आइए हम सभी मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाने का संकल्प लें, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और समानता के साथ जीने का अधिकार मिले। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कार्यक्रम के बारे मे संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा हमें हर व्यक्ति के मानव अधिकार को समझना होगा। हमें ऐसा शिक्षक बनना है जो छात्रों को अच्छी शिक्षा दे सके और उन्हें आत्मनिर्भर बना सके। उन्होंने अतिथियों का आभार प्रदर्शन करके कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक, सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सविता यादव, सीमा बंजारे, पूजा रानी, नितेश कुमार यादव एवं बीएड द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ रहा, पण्डो ग्रामीणों व बच्चों को मिल रही धमकियां

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले में पण्डो जनजाति की पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ते जा रहा है। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम माजा में विशेष पिछड़ी जनजाति पण्डो समाज के लोगों की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा करने का आरोप लगा है। कब्जा मुस्लिम समुदाय के कुछ व्यक्तियों द्वारा किया गया है, जिसके चलते तनाव की स्थिति बनी हुई है। पण्डो समाज के ग्रामीणों ने पहले सरगुजा कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। प्रशासन ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। पण्डो जनजाति के छोटे स्कूली बच्चों को मारने-पीटने, एक्सीडेंट कराने जैसी धमकियां मिल रही हैं। इससे सशंकित होकर पण्डो समुदाय के ग्रामीण लखनपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराए। इनके द्वारा मांग की गई है कि जांच शांतिपूर्ण तरीके से हो, किसी भी प्रकार का विवाद या हिंसा न फैले। मामला सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सुलझाया जाए।

ग्रामीणों का कहना है

लाल गुलाब पण्डो का कहना है कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है। प्रशासन जांच कर रहा है, लेकिन अब उनके छोटे बच्चों को धमकियां मिल रही हैं। वे चाहते हैं कि शांति बना रहे और न्याय हो। दरोगा पण्डो ने कहा हमारी मांग निष्पक्ष और शांतिपूर्ण जांच की है। गांव में अमन-चैन बना रहे, यही हमारी अपील है। मामला आदिवासियों के भूमि अधिकारों और सामुदायिक सद्भाव से जुड़ा है। प्रशासन से अपेक्षा है कि वह जल्द से जल्द अवैध कब्जे को हटाए और पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ग्रामीण शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

मां महामाया एयरपोर्ट में भर्ती हेतु कप्यूटर कौशल परीक्षा 26 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मां महामाया एयरपोर्ट अंबिकापुर के नोडल अधिकारी ने बताया कि असिस्टेंट ग्रेड-3 के लिए कप्यूटर कौशल परीक्षा हेतु 26 फरवरी को प्रात: 10 बजे लाईवलीहुड कॉलेज अंबिकापुर में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से 01 घंटे पूर्व उपस्थित होना होगा। कौशल परीक्षा की अवधि 30 मिनट एवं कौशल परीक्षा का अंक 30 है।

बाइक से अनियंत्रित होकर गिरे युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोटरसायकल से अनियंत्रित होकर गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक नागेश्वर पण्डो पिता हरिचन्द पण्डो 23 वर्ष, उत्तर प्रदेश के ग्राम अनजानी बीजपुर का रहने वाला था, जो वर्तमान में बलरामपुर जिला के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत बलंगी, रघुनाथनगर में रहता था। 21 फरवरी की शाम को बाइक से अकेले जनकपुर जाने के लिए निकला था, इसी दौरान ग्राम कमलपुर के पास अनियंत्रित होकर गिर गया। रघुनाथनगर स्वास्थ्य केन्द्र से रिफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे, यहां इलाज के दौरान वह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सरगुजा के आकाश और रजत ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुडबॉल के रेफरी बोर्ड में नियुक्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुडबॉल महिला-पुरुष चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल में 23 से 27 फरवरी तक किया जा रहा है। इसी क्रम में वुडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा सरगुजा जिले के दो राष्ट्रीय खिलाड़ी आकाश दुबे एवं रजत सिंह को रेफरी बोर्ड के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई है। इतने बड़े मंच पर निर्णायक की भूमिका में नियुक्ति मिलना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समूचे सरगुजा जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिले के खिलाड़ी अब केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि खेल संचालन एवं तकनीकी दक्षता में भी अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आकाश दुबे और रजत सिंह पूर्व में भी विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में सफलतापूर्वक निर्णायक की भूमिका निभा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि इस ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुडबॉल चैंपियनशिप में देशभर की लगभग 65 विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। ऐसे आयोजन में सरगुजा जिले के खिलाड़ियों का रेफरी बोर्ड में चयन होना जिले की खेल प्रतिभा और निरंतर प्रगति का प्रमाण है। संघ के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। रजत सिंह वर्तमान में के.आर. टेक्निकल कॉलेज में क्रीड़ा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। सरगुजा जिला वुडबॉल संघ, सरगुजा जिला बास्केटबॉल परिवार, के.आर. टेक्निकल कॉलेज समेत विश्वविद्यालय परिवार ने दोनों निर्णायकों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भारत माता चौक पर सड़क हादसे में एसईसीएल कर्मी की मौत, ट्रेलर चालक फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। नगर पंचायत जरही क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर स्थित भारत माता चौक के पास तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से शिवानी खदान में कार्यरत कॉलरी कर्मी समित लाल (55) गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें अस्पताल ले जाया गया, यहां से बेहतर उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया। उपचार के दौरान एसईसीएल कर्मी की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है, जिसका उपचार जारी है। घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया, घटना से क्षेत्र में आक्रोश है।

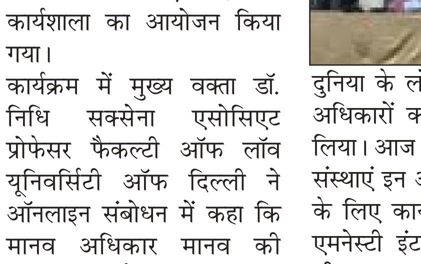

पुलिस के अनुसार ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीएन 9910 सिंगरौली से सामान खाली करके लौट रहा था। इस दौरान बाइक क्रमांक सीजी 15 डीई 2685 में सवार दो लोग चौक से गुजर रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रेलर ने इन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद नागरिकों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद समित लाल की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें अंबिकापुर रेफर किया गया, यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रेलर चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान हो। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार आम समस्या बन चुकी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए लोगों ने आक्रोश जताते हुए सड़क पर जाम की स्थिति बना दी, जिसे पुलिस की समझाइश के बाद नियंत्रित किया गया। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि भारत माता चौक सहित मुख्य मार्गों पर स्पीड कंट्रोल, ब्रेकर और कड़ी निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने आश्वस्त किया है।

देवराज सिंह बने छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज रामचंद्रपुर के ब्लॉक अध्यक्ष

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर/रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के विस्तार को लेकर रामचंद्रपुर विकासखंड के जामवंतपुर निवासी देवराज सिंह को सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। देवराज सिंह लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहकर समाज के हित में कार्य करते रहे हैं। उनकी इसी सक्रियता, समर्पण और क्षमता को देखते हुए समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। जामवंतपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष ने कहा कि समाज ने जिस विश्वास के साथ देवराज सिंह को यह दायित्व दिया है, उस पर खरा उतरते हुए उन्हें समाज की एकता, विकास और अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करना होगा। उन्होंने समाज की परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि पदभार ग्रहण के समय दो माला पहनाने की परंपरा है। एक माला समाज की जिम्मेदारी, दूसरी परिवार की जिम्मेदारी का प्रतीक होती है। नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और सेवा भाव के साथ निभाने का प्रयास करेंगे और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर